राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 25 जनवरी 2024 वर्ष-7,अंक-03 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चंडीगढ़ मेयर का चुनाव अब 30 जनवरी को, प्रशासन 6 फरवरी को कराना चाहता था

चंडीगढ़। पिछले कई दिन से चल रही राजनीतिक उठापटक के बीच नगर निगम मेयर के चुनाव अब 30 जनवरी को कराए जाएंगे। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस सुधीर सिंह एवं हर्ष बंगड़ की खंडपीठ ने इस चुनाव के लिए 30 जनवरी को सुबह 10 बजे का समय तय किया है। जबकि चंडीगढ़ प्रशासन ने इससे पहले मेयर चुनाव 6 फरवरी को कराए जाने का फैसला किया था।

मंगलवार को याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने प्रशासन के फैसले पर नाराजगी जाहिर करते हुए चेतावनी भरे लहजे में कहा था कि प्रशासन जल्दी चुनाव की तिथि तय करके बताए। अन्यथा कोर्ट को चुनाव की तारीख तय करनी पड़ेगी।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव 18 जनवरी को मतदान से आधे घंटे पहले पीठासीन अधिकारी के बीमार होने की वजह से पोस्टपोन कर दिया गया था। इसके खिलाफ मेयर पद के उम्मीदवार कुलदीप कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उसी दिन चुनाव करवाने की मांग की थी। 19 जनवरी को कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान चंडीगढ़ प्रशासन ने 6 फरवरी को चुनाव कराने को लेकर एक नोटिफिकेशन दी थी।

इसमें प्रशासन ने बताया कि कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के कारण यह चुनाव टाला गया था। जिसे दोबारा से 6 फरवरी को कराया जाएगा। 22 जनवरी को शहर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जगह-जगह कार्यक्रम थे और 26 जनवरी को रिपब्लिक डे होने के कारण सुरक्षा का अलर्ट है। इसलिए प्रशासन अभी यह चुनाव नहीं करा सकता है। याचिका पर हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम को 23 जनवरी के लिए नोटिस जारी कर दिया था। इसके बाद डीसी ने आदेश जारी कर 6 फरवरी को चुनाव करवाने का निर्णय लिया था। चंडीगढ़ मेयर चुनाव के लिए 6 फरवरी की तारीख तय करने को चुनौती देने वाली याचिका पर चंडीगढ़ प्रशासन ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से जवाब देने के लिए बुधवार तक का समय मांगा है। बता दें चंडीगढ़ नगर निगम में

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार का कहना है कि जो पार्टी इस देश में अंग्रेजों को हरा सकती है,

उनकी फांसी की सजा से नहीं डरती, जिसके कार्यकर्ता वर्षों तक जेल में रहे, वे इन बैरिकेड्स से क्या डरेंगे

नई दिल्ल. असम में हिमंत बिस्वा सरमा सरकार के साथ भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रही कांग्रेस पार्टी का टकराव खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। हिमंत के निर्देश पर असम पुलिस राहुल गांधी समेत कई कांग्रेसी नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर चुकी है। 22 जनवरी के दिन मंदिर जाने से रोके जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस में नोंक-झोंक हो गई थी, जिसके बाद पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। अब इस पूरे प्रकरण पर कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार का कहना है कि जो पार्टी इस देश में अंग्रेजों को हरा सकती है, उनकी तोपों और फांसी की सजा से नहीं डरती, जिसके कार्यकर्ता वर्षों तक जेल में रहे, वे इन बैरिकेड्स से क्या डरेंगे। हिमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कन्हैया कुमार ने आरोप लगाया कि इस देश के कई मुख्यमंत्री दिल्ली को खुश करने के लिए किसी भी स्तर तक गिरने के तैयार हैं। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने दावा किया कि केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की सरकारों ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा चिंताओं का बहाना बनाकर पार्टी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में बार-बार %डर% के कारण बाधाएं पैदा की हैं, लेकिन कांग्रेस इनसे डरने वाली नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी के न्याय के पांच स्तंभों को भी दोहराया जिसे देश में फिर से स्थापित करने की मांग की- प्रतिनिधित्व के माध्यम से न्याय, महिलाओं के लिए न्याय, युवाओं के लिए न्याय, किसानों के लिए न्याय और मजदूरों के लिए न्याय।

असम पुलिस और प्रशासन के दावों का खंडन करते हुए कुमार ने कहा, जो पार्टी इस देश में अंग्रेजों को हरा सकती है, जो उनकी तोपों और फाँसी से नहीं डरी और जिसके सदस्य वर्षों तक जेल में रहे, उस पार्टी के कार्यकर्ता बैरिकेड्स से नहीं डरेंगे। हम कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं और गांधीजी के रास्ते पर चलते हैं। हम हिंसा नहीं करेंगे और कानून नहीं तोड़ेंगे, इसलिए हमारी यात्रा पुलिस द्वारा दिए गए मार्ग पर चली है।÷

भारत जोड़ो यात्रा से डर गई सरकार

कुमार ने यह भी दावा किया कि पिछले वर्ष की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता ने सरकार को परेशान कर दिया था, जिसके कारण उन्हें भारत जोड़ो न्याय यात्रा में ÷हस्तक्षेप÷ करना पड़ रहा है। कहा, ÷जब देश के किसान, युवा, मजदूर और महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, तो हमारी सुरक्षा किस काम की? हमारी यात्रा को रोकने के लिए हमारी अपनी सुरक्षा को बहाने के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।÷

दिल्ली को खुश करने में लगे सब

कन्हैया कुमार ने आरोप लगाया, ÷इस देश के कई मुख्यमंत्री दिल्ली को खुश करने के लिए किसी भी स्तर तक गिरने के लिए तैयार हैं। नतीजा ये होता है कि हर बार किसी न किसी बहाने से यात्रा को रोकने की कोशिश की जाती है, फर्जी मुकदमे दर्ज किये जाते हैं। हम सरकार को बताना चाहते हैं कि हम आपकी फर्जी एफआईआर से परेशान नहीं होंगे।÷

गौरतलब है कि कन्हैया कुमार का ये बयान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की उस घोषणा के बाद आया है कि राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ हिंसा, उकसावे, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिस कर्मियों पर हमले के लिए एफआईआर दर्ज की गई है। यात्रा के गुवाहाटी में प्रवेश करने के प्रयास के दौरान कथित तौर पर पार्टी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प के दौरान हिंसा की घटनाएं हुई थी। सरमा ने पहले दावा किया था कि राहुल गांधी को 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद गिरफ्तार किया जाएगा।

बसवराज बोम्मई ने तमिलनाडु को लेकर कर दिया बड़ा दावा

बेंगलुरु। लोकसभा चुनाव 2024 में अब महज कुछ ही महीने शेष हैं। चुनाव आयोग जल्द ही चुनावी तारीखों की घोषणा कर सकता है। सत्ता की जंग में सभी पार्टियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बीच कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने बुधवार को लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया। पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने लोकसभा चुनाव में दक्षिण भारत से भाजपा के पक्ष में आश्चर्यजनक परिणाम आने की भविष्यवाणी की। बोम्मई ने दावा किया कि देश में मोदी लहर है क्योंकि पूरा देश नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री के रूप में देखने के लिए बेताब है।

लोकसभा चुनाव में दक्षिण भारत से आश्चर्यजनक नतीजे आएंगे

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, ÷आगामी लोकसभा चुनाव में दक्षिण भारत से आश्चर्यजनक नतीजे आएंगे। भाजपा कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से अधिकतम सीटें जीतेगी।÷ बसवराज बोम्मई के मुताबिक, पूरा देश मोदी की तरफ विश्वास की नजर से देखता है।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक भाजपा-मोदी लहर- बोम्मई

बोम्मई ने दावा करते हुए कहा, कश्मीर से कन्याकुमारी तक भाजपा समर्थन और मोदी के समर्थन में लहर है। इस बार लोकसभा चुनाव में दक्षिण भारत से अप्रत्याशित नतीजे आने की उम्मीद है। कर्नाटक में भाजपा 25 से अधिक सीटें जीतेगी।

एससी-एसटी समुदाय का कांग्रेस से मोहभंग हुआ

उन्होंने कहा कि एससी-एसटी समुदाय का कांग्रेस से मोहभंग हो गया है। हालांकि, कई जातियों को एससी-एसटी श्रेणियों में शामिल किया गया था, लेकिन कोटा का प्रतिशत नहीं बढ़ाया गया है। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कर्नाटक में मौजूदा कांग्रेस सरकार ने गारंटी और योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए विशेष घटक योजना (स्ष्टक्क) - जनजातीय उप योजना के 11,000 करोड़ रुपये खर्च करके दलितों के साथ अन्याय किया है।

देवेंद्र फडणवीस के लिए प्राण प्रतिष्ठा में नहीं गए थे एकनाथ शिंदे, अब पूरी कैबिनेट जाएगी अयोध्या

मुंबई-महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे जल्द ही अपनी पूरी कैबिनेट के साथ अयोध्या में रामलाल के दर्शन करने जाएंगे। उनके दोनों डिप्टी सीएम, देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार भी होंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का न्यौता मिला था। लेकिन वह उस वक्त इसमें शामिल नहीं हुए थे। शिंदे ने फैसला किया था कि वह बाद में पूरे परिवार के साथ अयोध्या दर्शन के लिए जाएंगे।

5 फरवरी संभावित तारीख

हालांकि एकनाथ शिंदे और उनका मंत्रिमंडल अयोध्या दर्शन के लिए कब जाएगा, इसकी तारीख तय नहीं हुई है। लेकिन कहा जा रहा है कि यह यात्रा पांच फरवरी को हो सकती है। भाजपा के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस दौरान शिंदे सरकार के सभी 29 मंत्री, दोनों डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार भी इस दौरान मौजूद होंगे। यह सभी एक साथ

अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करेंगे। बता दें कि एकनाथ शिंदे को 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। हालांकि उन्होंने अकेले जाने के बजाए पूरे मंत्रिमंडल के साथ वहां जाने का फैसला किया था। उन्होंने रविवार को कहा था कि वह फरवरी में अपनी पूरी कैबिनेट के साथ राम मंदिर के दर्शन के लिए जाएंगे।

अयोध्या में श्रद्धालुओं का सैलाब

गौरतलब है कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई थी। इसके अलावा देश के विभिन्न क्षेत्रों के सेलेब्रिटीज भी इस मौके पर मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि 500 साल के बाद भगवान राम को घर मिला है। अब वह टेंट में नहीं रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के अगले दिन से अयोध्या में श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा हो रहा है। देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से लोग भगवान राम का दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं।

वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद के ASI सर्वे की रिपोर्ट सार्वजनिक होगी,

हिन्दू पक्ष की मांग पर वाराणसी कोर्ट का आदेश

वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद की तीन महीने तक चली एएसआई रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। वाराणसी जिला जज की अदालत ने बुधवार को इस बारे में आदेश देते हुए कहा कि रिपोर्ट की कापी हिन्दू और मुस्लिम दोनों पक्षों को मिलेगी। एएसआई ने 18 दिसंबर को रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में कोर्ट में दाखिल की थी। हिन्दू पक्ष ने उसी समय रिपोर्ट देने की मांग की थी लेकिन मुस्लिम पक्ष की आपत्ति और एएसआई टीम के चार हफ्ते तक रुकने के आग्रह पर रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं हो सकी थी। हिन्दू पक्ष के वकीलों का कहना है कि अदालत ने रिपोर्ट देने का मौखिक आदेश दे दिया है। लिखित आदेश भी जल्द आ जाएगा। इसके बाद उनकी तरफ से रिपोर्ट की नकल के लिए प्रार्थना पत्र दिया जाएगा। माना जा रहा है कि प्रार्थना पत्र दाखिल होने के बाद कल तक रिपोर्ट दोनों पक्षों को मिल जाएगी। दोनों पक्षों में रिपोर्ट को लेकर सहमति बनने की बात भी कही जा रही है। हिन्दू पक्ष के वकील विष्णु जैन के अनुसार दोनों पक्षों को हार्ड कापी सौंपी जाएगी। हिन्दू पक्ष ने ही रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग की थी। इससे पहले बुधवार को ही एएसआई ने सर्वे की रिपोर्ट यहां की फास्ट ट्रैक कोर्ट में भी दाखिल की थी। 1991 से ज्ञानवापी का मूल विवाद यहीं पर चल रहा है। 18 दिसंबर को जब एएसआई ने रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं करने का आग्रह करते हुए इसी कोर्ट का हवाला दिया था। एएसआई ने कहा था कि वहां भी रिपोर्ट दाखिल करनी है इसलिए सार्वजनिक अभी नहीं किया जाए। एएसआई के आग्रह पर ही अदालत ने रिपोर्ट के सार्वजनिक करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 24 जनवरी तक के लिए टाल दी थी। बताया

जाता है कि चार हिस्सों में एएसआई ने करीब दो हजार पन्नों की यह रिपोर्ट अदालत में सील बंद लिफाफे में दाखिल की है।

थैंक्यू और परिवारवाद पर वार; कर्पूरी जयंती में किस पर निशाना साध गए नीतीश कुमार

पटना कर्पूरी ठाकुर की जन्मशती के मौके पर आयोजित रैली में नीतीश कुमार ने उन्हें भारत रत्न दिए जाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। यही नहीं इस मौके पर नीतीश कुमार ने कर्पूरी का जिक्र करते हुए परिवारवाद की राजनीति पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि आज कल लोग परिवार के लिए क्या-क्या करते हैं। लेकिन कर्पूरी ठाकुर जी ने अपने परिवार के लिए कुछ नहीं किया। वह जब चले गए, तब हम ही लोग रामनाथ ठाकुर जी को आगे बढ़ाए। आज कल वह राज्यसभा के सदस्य हैं। नीतीश कुमार ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन परिवार के लिए क्या-क्या करने वाली बात को लोग आरजेडी से जोड़कर देख रहे हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर से ही सीखकर हमने भी अपने परिवार के किसी सदस्य को आगे नहीं बढ़ाया है। उन्होंने पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के लिए काम किया। मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर के प्रयासों से ही पहली बार 20 फीसदी आरक्षण बिहार में मिला था। 1978 में उनके प्रयासों से अति पिछड़ा को 12 पर्सेंट और पिछड़ा को 8 पर्सेंट कोटा मिला। अब तो हम कहते हैं कि पूरे देश में इस अति पिछड़ा और पिछड़ा के आधार पर आरक्षण मिला। नीतीश

कुमार ने कहा कि देश में सिर्फ पिछड़ा ही नहीं है बल्कि अति पिछड़ा भी है। उनकी संख्या भी अधिक है और उन लोगों में गरीबी भी ज्यादा है। इस मौके पर नीतीश कुमार ने भाजपा पर कोई हमला नहीं बोला। बेहद सधे हुए अंदाज में उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न मिला है हमारी जब 2005 में पहली बार सरकार बनी थी, तभी से हम अनुरोध करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि लंबे इंतजार के बाद आखिर कल इस मांग को स्वीकार कर लिया गया। इसके लिए हम पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को धन्यवाद देते हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि उन्हें भी अब लगता है कि कुछ मिल जाएगा। उन्होंने तो रामनाथ ठाकुर को भी फोन किया है। इसके लिए हम उन्हें बधाई देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम कर्पूरी ठाकुर से ही प्रेरणा लेकर काम कर रहे हैं।

रैली में नीतीश कुमार ने कहा कि कर्पूरी जी के सिद्धांतों से ही सबक लेते हुए हमने जातीय जनगणना कराई है। इस गणना में अनुसूचित जाति वर्ग और पिछड़ों की आबादी अधिक मिली इसके अलावा 94 लाख परिवार गरीबी रेखा से नीचे पाए गए अब हम इन लोगों के कल्याण के लिए योजनाओं को तैयार कर रहे हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि करीब 2 लाख लोग यहां पर मौजूद हैं और मैं रास्ते में था तो सड़कों पर भी बड़ी संख्या में लोग दिखाई दिए।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर बैन की मांग, इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर; सनातन के खिलाफ बताया

अयोध्या होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग उठ रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में इसे लेकर एक जनहित याचिका दाखिल हुई है। खबर है कि याचिका में शंकराचार्यों की तरफ से उठाई गई आपत्तियों का हवाला दिया गया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि सोमवार दोपहर 1 बजे समारोह हो सकता है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के भोला दास ने याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है, 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में एक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। निर्माणाधीन मंदिर में रामलला की मूर्ति को स्थापित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संभावनाएं जताई जा रही हैं कि सोमवार दोपहर 1 बजे समारोह हो सकता है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के भोला दास ने याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है, 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में एक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है।

पूजा करेंगे। आगे कहा गया है, शंकराचार्यों ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर आपत्ति उठाई है। पूस के महीने में कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित नहीं होते हैं। मंदिर अभी भी पूरा नहीं हुआ है। एक अधूरे मंदिर में किसी भी देवता को विराजमान नहीं किया जाता है। एजेंसी के अनुसार, याचिका में प्राण प्रतिष्ठा को सनातन परंपरा के खिलाफ मामला भी बताया गया है। इसमें यह भी दावा किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी फायदे के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया है।

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान शुरू

अयोध्या के राम मंदिर में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह मंगलवार को शुरू हो गया। मंदिर न्यास के एक सदस्य और उनकी पत्नी की अगुवाई में इस दौरान कई अनुष्ठान हुए। मंगलवार से शुरू हुए अनुष्ठान नए मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के साथ संपन्न होंगे। राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने कहा, %अनुष्ठान शुरू हो गया है और 22 जनवरी तक जारी रहेगा। 11 पुजारी सभी देवी-देवताओ । आह्वान करते हुए अनुष्ठान कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारत का समर्थन

तमाम तरह की टिप्पणियों के लिए चर्चा में रहने वाले दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने अपनी एक ताजा टिप्पणी में बहुत से लोगों के मुंह की बात छीन ली है। मस्क ने एक्स पर अपनी टिप्पणी में कहा है कि यह बेहद बेतुकी बात है कि दुनिया की सबसे ताकतवर संस्था संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत नहीं है। मस्क ने तो अफ्रीका को भी वहां एक सीट देने की बात कही। यह ऐसी बात है, जिसे दुनिया भर में कई जगह पिछले कुछ समय से कहा जा रहा है। खुद भारत पिछले तीन दशक से भी ज्यादा समय से इसकी कोशिश कर रहा है। जिस समय अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे, उस समय इसे लेकर कई कोशिशें हुई थीं। प्रधानमंत्री बनने के बाद मनमोहन सिंह ने भी 2005 से इसके लिए प्रयास शुरू कर दिए थे। साल 2008 में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन जब भारत दौरे पर आए, तब मनमोहन सिंह के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा था कि भारत अगर सुरक्षा परिषद की उस मेज पर नहीं है, तो दुनिया की बहुत सारी समस्याएं कभी नहीं सुलझेंगी। साल 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से इसकी मांग कुछ ज्यादा तेज हुई है और दुनिया में इसकी जरूरत को स्वीकार भी किया जाने लगा है। आबादी के अनुपात से देखें, तो दुनिया के हर पांच में औसतन एक व्यक्ति भारतीय है। अगर भारत सुरक्षा परिषद में नहीं है, तो सीधे तौर पर दुनिया की आबादी के पांचवें हिस्से को वहां प्रतिनिधित्व नहीं मिला हुआ है। अगर आर्थिक पैमाने पर देखें, तो भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, जबकि सुरक्षा परिषद में इसके मुकाबले छोटी अर्थव्यवस्थाओं वाले देश जमे बैठे हैं। भारत को सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनाने का मामला दरअसल दुनिया की इस सर्वोच्च संस्था के सत्ता समीकरण को उचित प्रतिनिधित्व से संतुलित करने का मामला भी है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले दिनों कहा भी था कि पांच स्वयंभू चौधरी हैं, जो एक साथ बैठकर पूरी दुनिया का फैसला करते हैं, इसे बदलना होगा। अभी तक हमारे सामने जो सुरक्षा परिषद है, वह दरअसल सात-आठ दशक पहले की दुनिया के संतुलन का प्रतिनिधित्व करती है। नए दौर के हिसाब से इसे बदला जाना बहुत जरूरी हो गया है। 2015 में दुनिया के 193 देशों ने आम सभा में संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली में सुधार का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया था। तब भारत ने कहा था कि विश्व व्यवस्था में सुधार तभी होगा, जब सुरक्षा परिषद का स्वरूप बदला जाएगा। जरूरी बदलाव के हिसाब से यह साल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ ही महीने बाद संयुक्त राष्ट्र का एक विशेष सत्र होने वाला है, जिसका विषय है- भविष्य के लिए सम्मेलन - बेहतर कल के लिए बहुस्तरीय समाधान। वैसे एलन मस्क की गिनती न तो विश्व मामलों के विशेषज्ञ के तौर पर होती है और न ही ऐसे शख्स के तौर पर, जिसकी बात को दुनिया के राजनयिक गौर से सुनते हों। कई बार वह अपनी अगंभीर बातों के लिए ही ज्यादा चर्चा में रहते हैं, लेकिन मस्क ने जिस मौके पर यह बात कही है, वह काफी महत्वपूर्ण है। मस्क की टिप्पणी का एक आर्थिक पहलू भी है, पर इससे यह तो जाहिर होता ही है कि दुनिया में इस समय भारत के पक्ष में माहौल बनने लगा है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को श्रद्धांजलि

(लेखक - नरेंद्र मोदी/ईएमएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जननायक कर्पूरी ठाकुर को उनकी जन्म-शताब्दी पर नमन किया और समाज व राजनीति पर कर्पूरी ठाकुर के अद्वितीय प्रभाव पर अपने विचार भी साझा किए। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा - मैं जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को उनकी जन्म-शताब्दी पर नमन करता हूं। इस विशेष अवसर पर हमारी सरकार को उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने हमारे समाज और राजनीति पर उनके अद्वितीय प्रभाव पर अपने विचारों को कलमबद्ध किया है। यहां प्रस्तुत है प्रधानमंत्री के (ब्लॉग- नरेंद्र मोदी) कलमबद्ध विचार- हमारे जीवन पर कई लोगों के व्यक्तित्व का प्रभाव रहता है। जिन लोगों से हम मिलते हैं, हम जिनके संपर्क में रहते हैं, उनकी बातों का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है, लेकिन कुछ ऐसे व्यक्ति भी होते हैं जिनके बारे में सुनकर ही आप उनसे प्रभावित हो जाते हैं। मेरे लिए ऐसे ही रहे हैं जननायक कर्पूरी ठाकुर। आज कर्पूरी बाबू की 100वीं जन्म-जयंती है। मुझे कर्पूरी जी से कभी मिलने का अवसर तो नहीं मिला, लेकिन उनके साथ बेहद करीब से काम करने वाले कैलाशपति मिश्र जी से मैंने उनके बारे में बहुत कुछ सुना है। सामाजिक न्याय के लिए कर्पूरी बाबू ने जो प्रयास किए, उससे करोड़ों लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया। उनका संबंध नाई समाज, यानि समाज के अति पिछड़े वर्ग से था। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए उन्होंने कई उपलब्धियों को हासिल किया और जीवनभर समाज के उत्थान के लिए काम करते रहे।

जननायक कर्पूरी ठाकुर जी का पूरा जीवन सादगी और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। वे अपनी अंतिम सांस तक सरल जीवनशैली और विनम्र स्वभाव के चलते आम लोगों से गहराई से जुड़े रहे। उनसे जुड़े ऐसे कई किस्से हैं, जो उनकी सादगी की मिसाल हैं। उनके साथ काम करने वाले लोग याद करते हैं कि कैसे वे इस बात पर जोर देते थे कि उनके किसी भी व्यक्तिगत कार्य में सरकार का एक पैसा भी इस्तेमाल ना हो। ऐसा ही एक वाकया बिहार में उनके सीएम रहने के दौरान हुआ। तब राज्य के नेताओं के लिए एक कॉलोनी बनाने का निर्णय हुआ था, लेकिन उन्होंने अपने लिए कोई जमीन नहीं ली। जब भी उनसे पूछा जाता कि आप जमीन क्यों नहीं ले रहे हैं, तो वे बस विनम्रता से हाथ जोड़ लेते। 1988 में जब उनका निधन हुआ तो कई नेता श्रद्धांजलि देने उनके गांव गए। कर्पूरी जी के घर की हालत देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए कि इतने ऊंचे पद पर रहे व्यक्ति का घर इतना साधारण कैसे हो सकता है! कर्पूरी बाबू की सादगी का एक और लोकप्रिय किस्सा 1977 का है, जब वे बिहार के सीएम बने थे। तब केंद्र और बिहार में जनता सरकार सत्ता में थी। उस समय जनता पार्टी के नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण यानि जेपी के जन्मदिन के लिए कई नेता पटना में इकट्ठा हुए। उसमें शामिल मुख्यमंत्री कर्पूरी बाबू का कुर्ता फटा हुआ था। ऐसे में चंद्रशेखर जी ने अपने अनूठे अंदाज में लोगों से कुछ पैसे दान करने की अपील की, ताकि कर्पूरी जी नया कुर्ता खरीद सकें। लेकिन कर्पूरी जी तो कर्पूरी जी थे। उन्होंने इसमें भी एक मिसाल कायम कर दी। उन्होंने पैसा तो स्वीकार कर लिया, लेकिन उसे मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर दिया।

सामाजिक न्याय तो जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के मन में रचा-बसा था। उनके राजनीतिक जीवन को एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रयासों के लिए जाना जाता है, जहां सभी लोगों तक संसाधनों का समान रूप से वितरण हो और सामाजिक हैसियत की परवाह किए बिना उन्हें अवसरों का लाभ मिले। उनके प्रयासों का उद्देश्य भारतीय समाज में पैठ बना चुकी कई असमानताओं को दूर करना भी था।

अपने आदर्शों के लिए कर्पूरी ठाकुर जी की प्रतिबद्धता ऐसी थी कि उस कालखंड में भी जब सब ओर कांग्रेस का राज था, उन्होंने कांग्रेस विरोधी लाइन पर चलने का फैसला किया। क्योंकि उन्हें काफी पहले ही इस बात का अंदाजा हो गया था कि कांग्रेस अपने बुनियादी सिद्धांतों से भटक गई है।

कर्पूरी ठाकुर जी की चुनावी यात्रा 1950 के दशक के प्रारंभिक वर्षों में शुरू हुई और यहीं से वे राज्य के सदन में एक ताकतवर नेता के रूप में उभरे। वे श्रमिक वर्ग, मजदूर, छोटे किसानों और युवाओं के संघर्ष की सशक्त आवाज बने। शिक्षा एक ऐसा विषय था, जो कर्पूरी जी के हृदय के सबसे करीब था। उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में गरीबों को शिक्षा मुहैया कराने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। वे स्थानीय भाषाओं में शिक्षा देने के बहुत बड़े पैरोकार थे, ताकि गांवों और छोटे शहरों के लोग भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करें और सफलता की सीढ़ियां चढ़ें। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने बुजुर्ग नागरिकों के कल्याण के लिए भी कई अहम कदम उठाए।डेमोक्रेसी, डिबेट और डिस्कशन तो कर्पूरी जी के व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा था। लोकतंत्र के लिए उनका समर्पण भाव, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान ही दिख गया था, जिसमें उन्होंने अपने-आप को झोंक दिया। उन्होंने देश पर जबरन थोपे गए आपातकाल का भी पुरजोर विरोध किया था। जेपी, डॉ. लोहिया और चरण सिंह जी जैसी विभूतियां भी उनसे काफी प्रभावित हुई थीं। समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए जननायक कर्पूरी ठाकुर जी ने एक ठोस कार्ययोजना बनाई थी। यह सही तरीके से आगे बढ़े, इसके लिए पूरा एक तंत्र तैयार किया था। यह उनके सबसे प्रमुख योगदानों में से एक है। उन्हें उम्मीद थी कि एक ना एक दिन इन वर्गों को भी वो प्रतिनिधित्व और अवसर जरूर दिए जाएंगे, जिनके वे हकदार थे। हालांकि उनके इस कदम का काफी विरोध हुआ, लेकिन वे किसी भी दबाव के आगे झुके नहीं। उनके नेतृत्व में ऐसी नीतियों को लागू किया गया, जिनसे एक ऐसे समावेशी समाज की मजबूत नींव पड़ी, जहां किसी के जन्म से उसके भाग्य का निर्धारण नहीं होता हो। वे समाज के सबसे पिछड़े वर्ग से थे, लेकिन काम उन्होंने सभी वर्गों के लिए किया। उनमें किसी के प्रति रत्तीभर भी कड़वाहट नहीं थी और यही तो उन्हें महानता की श्रेणी में ले आता है।

हमारी सरकार निरंतर जननायक कर्पूरी ठाकुर जी से प्रेरणा लेते हुए काम कर रही है। यह हमारी नीतियों और योजनाओं में भी दिखाई देता है, जिससे देशभर में सकारात्मक बदलाव आया है। भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी त्रासदी यह रही थी कि कर्पूरी जी जैसे कुछ नेताओं को छोड़कर सामाजिक न्याय की बात बस एक राजनीतिक नारा बनकर रह गई थी। कर्पूरी जी के विजन से प्रेरित होकर हमने इसे एक प्रभावी गवर्नेंस मॉडल के रूप में लागू किया। मैं विश्वास और गर्व के साथ कह सकता हूं कि भारत के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने की उपलब्धि पर आज जननायक कर्पूरी जी जरूर गौरवान्वित होते। गरीबी से बाहर निकलने वालों में समाज के सबसे पिछड़े तबके के लोग सबसे ज्यादा हैं, जो आजादी के 70 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे।

हम आज सैचुरेशन के लिए प्रयास कर रहे हैं, ताकि प्रत्येक योजना का लाभ, शत प्रतिशत लाभार्थियों को मिले। इस दिशा में हमारे प्रयास सामाजिक न्याय के प्रति सरकार के संकल्प को दिखाते हैं। आज जब मुद्रा लोन से ओबीसी, एससी और एसटी समुदाय के लोग उद्यमी बन रहे हैं, तो यह कर्पूरी ठाकुर जी के आर्थिक स्वतंत्रता के सपनों को पूरा कर रहा है। इसी तरह यह हमारी सरकार है, जिसने एससी, एसटी और ओबीसी रिजर्वेशन का दायरा बढ़ाया है। हमें ओबीसी आयोग (दुख की बात है कि कांग्रेस ने इसका विरोध किया था) की स्थापना करने का भी अवसर प्राप्त हुआ, जो कि कर्पूरी जी के दिखाए रास्ते पर काम कर रहा है। कुछ समय पहले शुरू की गई पीएम-विश्वकर्मा योजना भी देश में ओबीसी समुदाय के करोड़ों लोगों के लिए समृद्धि के नए रास्ते बनाएगी।

पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाले एक व्यक्ति के रूप में मुझे जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे जैसे अनेकों लोगों के जीवन में कर्पूरी बाबू का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान रहा है। इसके लिए मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा। दुर्भाग्यवश, हमने कर्पूरी ठाकुर जी को 64 वर्ष की आयु में ही खो दिया। हमने उन्हें तब खोया, जब देश को उनकी सबसे अधिक जरूरत थी। आज भले ही वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन जन-कल्याण के अपने कार्यों की वजह से करोड़ों देशवासियों के दिल और दिमाग में जीवित हैं। वे एक सच्चे जननायक थे।

शालीन और संवेदनशील राजनेता थी- राजमाता विजया राजे सिंधिया

(लेखक- मुकेश तिवारी)

(पुण्य तिथि पर विशेष)

राजमाता विजया राजे सिंधिया का जन्म 12 अक्टूबर 1919 को उनकी ननिहाल सागर में हुआ था। उनके पिता महेंद्र सिंह जालौन के डिप्टी कलेक्टर हुआ करते थे। वे अपने पिता की सबसे बड़ी संतान थी। दरअसल में उनके जन्म के 9 दिन पश्चात ही उनकी मां चूड़ा देवेश्वरी का सन्निपात ज्वर के कारण देहांत हो गया था। ऐसी विषम परिस्थिति में लेखा दिव्येश्वरी का बाल्यकाल ननिहाल में ही गुजरा। यहीं पर उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा हुई। बाल्यकाल में इनका नाम लेखा था। इनका उक्त नाम इनकी नानी धन कुमारी ने रखा था। हालांकि उन्होंने कभी भी इस नाम से इन्हें संबोधित नहीं किया और न ही परिवार के किसी सदस्य ने इस नाम से उन्हें कभी पुकारा। नानी हमेशा लेखा दिव्येश्वरी को नानी कहकर ही पुकारती रही। नेपाल की भाषा की लोकभाषा में नानी का अर्थ होता है आंख की पुतली लेखा दिव्येश्वरी को नानी कहकर पुकारने के पीछे नाना नानी का यही अभिप्राय था। इनकी मां का देहांत होने के पश्चात लेखा दिव्येश्वरी का लालन-पालन नाना -नानी की देखरेख में इनकी ननिहाल सागर में हुआ।

सागर के नेपाल हाउस में रहकर उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की। हालांकि लेखा दिव्येश्वरी कि मां चूड़ा दिव्येश्वरी के देहांत के पश्चात उनके पिता ने उन्हें अपने साथ जालौन ले जाने कि इच्छा जाहिर की ,लेकिन इनके नाना -नानी इसके लिए कतई राजी नही हुए। इस बात को लेकर कोर्ट कचहरी तक की नौबत आ गई । अंततः आपसी सहमति से यह तय हुआ कि ये 7 साल की होने तक नाना- नानी की देखरेख में सागर में ही रहेगी। लेकिन दुर्भाग्यवश से जब लेखा महज 2 वर्ष की थी तभी नाना का देहांत हो गया। लेखा दिव्येश्वरी की नानी धनकुमारी धार्मिक आस्थाओं से ओतप्रोत एक सौम्य व सरल महिला थी। इस कारण लेखा का लालन-पालन धार्मिक वातावरण में हुआ ।उन्होंने बाल्यकाल से ही लेखा दिव्येश्वरी को यही संस्कार दिए। नानी के संस्कारों में दीक्षित होकर वे उन्हीं की तरह धर्म प्राण बन गई यद्यपि लेखा दिव्येश्वरी नानी जितने व्रत तो नहीं किया करती थी ,लेकिन चतुर्मास में शाकाहारी भोजन करने लगती थी। मैट्रिक की परीक्षा पास करने के पश्चात लेखा दिव्येश्वरी ने बनारस के बेसेंट कॉलेज में दाखिला लिया ।जहां सादा जीवन उच्च विचार का उसूल अमल में लाया जाता था ।यहां से प्रेरित होकर उन्होंने फ्रांस और इटालियन से आयातित कपड़ों को सदैव के लिए अलविदा कह दिया। जब लेखा दिव्येश्वरी के पिता का झांसी से मिर्जापुर स्थानांतरण हो गया तो उन्होंने लेखा दिव्येश्वरी का दाखिला आजमा बेला थाबर्न महिला कॉलेज लखनऊ में करा दिया ।लेकिन वे यहां से बी ए की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकी क्योंकि ननिहाल और घर में उनके विवाह की तैयारियां शुरू हो जाने के कारण उन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी ।नेपाल हाउस सागर में पली-बढ़ी लेखा दिव्येश्वरी का विवाह 21 फरवरी 1941को मराठा रीति रिवाज से ग्वालियर रियासत के अंतिम शासक जीवाजी राव सिंधिया के साथ सरस्वती महल में संपन्न हुआ। हालांकि इनके विवाह का सिंधिया रियासत के मराठा सरदारों ने काफी विरोध किया लेकिन जीवाजी राव सिंधिया ने विरोध की कतई परवाह नहीं की। शादी के पश्चात् वे सिंधिया राजघराने की परंपरा के अनुसार लेखा दिव्येश्वरी से महारानी विजया राजे सिंधिया के नाम से मशहूर हुई। शादी के पश्चात उन्होंने 5 बच्चों को जन्म दिया। 23 फरवरी 1942 को उन्होंने पहली पुत्री पद्मा राजे को जन्म दिया 31 अक्टूबर 1943 को उषा राजे और 10 मार्च 1945 को माधवराव सिंधिया को जन्म दिया इसके पश्चात 1953 में वसुंधरा राजे और 1954 में यशोधरा जी को जन्म दिया। राजमाता विजया राजे सिंधिया के पति जीवाजी राव सिंधिया कांग्रेस के कटु आलोचक थे। राजमाता सिंधिया कैलाश वासी पति जीवाजी राव सिंधिया ने भारत संघ में ग्वालियर राज्य का विलय करते समय चौवन करोड़ रुपए की विपुल धनराशि का कोष सरदार बल्लभभाई पटेल को सौंपा था। ग्वालियर में उस दौर में हिंदू महासभा का काफी बोलबाला था। स्थानीय कांग्रेसी इस बात से काफी घबराए हुए थे कि ग्वालियर के महाराज कहीं प्रतिपक्ष के उम्मीदवार को चुनाव में अपना समर्थन न दे दे। आखिरकार राजमाता विजया राजे सिंधिया ने जवाहरलाल नेहरू के दवाब में 1957 में कांग्रेस से अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की। गुना संसदीय क्षेत्र से नामांकन पर्चा दाखिल कर उन्होंने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष बी जी देश पांडे को पराजित किया। हालांकि गुना से लगी हुई दोनों सीटें पर हिंदू महासभा के उम्मीदवार ने जीत हासिल की। यह इस बात का प्रमाण है कि यदि राजमाता विजय राजे सिंधिया कांग्रेस की उम्मीदवार न होती तो कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया होता। राजमाता सिंधिया ने हिंदू महासभा को कमजोर करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी हालांकि आगामी सालों में इस क्षति की पूर्ति करने के लिए काफी परिश्रम करना पड़ा। एक दौर ऐसा भी आया कि जब वे राजनीति को पीछे छोड़ अपने पति और बेटे बेटियो में मगन हो गई। इसी दौरान उनके पति की डायबिटीज में इजाफा हो गया और दुर्भाग्य से महज 45 वर्ष की आयु में 9 जून 1961 को उनका मुंबई में देहावसान हो गया। जिस वक्त उनके पति जीवाजी राव सिंधिया का निधन हुआ उनके इकलौते पुत्र माधवराव की उम्र महज 16 वर्ष की थी। पति के निधन के पश्चात वे महारानी से राजमाता बन स्वेत परिधान में विधवा का जीवन बिताने लगी।

उन्होंने अपनी तमाम सारी इच्छाओं को तिलांजलि देकर धर्म को ही अपना ध्येय बनाया। हालांकि जब परिस्थितियों ने मोड़ लिया तो वे बिना किसी हिचकिचाहट के राजनीति के महासमर में कूद पड़ी और अपना अधिकांश वक्त राजनीति को देने लगी। लेकिन धार्मिक कार्य पूजा-पाठ में कोई कमी नहीं आई। इसी बीच मध्य प्रदेश की तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ कैलाश नाथ काटजू पंडित जवाहरलाल नेहरू का संदेश लेकर राजमाता के पास आए कि वे देश सेवा में पूर्ववत जुटी रहे। आप की सहूलियत के लिए आपका निर्वाचन क्षेत्र गुना से बदलकर ग्वालियर कर दिया गया है। नेहरू जी के द्वारा। राजमाता विजयाराजे सिंधिया स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय राजनीति में सक्रिय हो गई थी वर्ष 1957 में दूसरी लोकसभा के लिए सांसद चुनी गई थी वर्ष 1962, 1971, 1989 एवं 1991 में आप पुनः सांसद चुनी गई राजमाता तीसरी,पांचवीं, नौवीं एवं दसवीं लोकसभा के लिए सांसद के रूप में चुनी गई थी। वर्ष 1967 में आप मध्यप्रदेश विधानसभा की सदस्य भी रही एवं वर्ष 1978 में राज्यसभा सांसद रही।वही राजमाता विजयाराजे सिंधिया के पुत्र माधवराव सिंधिया भी केंद्र सरकार में अनेक महत्वपूर्ण विभागों में मंत्री रहे ।इसी क्रम में उनकी एक बेटी वसुंधरा राजे सिंधिया राजस्थान की दो मर्तबा मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार में भी मंत्री रह चुकी है इसी तरह उनकी एक बेटी यशोधरा राजे सिंधिया वर्तमान में प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री के पद पर असीन है इसी तरह उनका नाती ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्र सरकार में नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री का दायित्व संभाल रहे हैं। 25 जनवरी 2001 को वे दुनिया से रुखसत हो गई।

विचार मंथन

वृहद स्तर पर तैयारी की जानी चाहिए

(लेखक - सनत जैन/ईएमएस)

अयोध्या स्थित भगवान राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हो गया है। पिछले कई महीनो से जिस तरीके से रामलला की प्राण प्र तिष्ठा का प्रचार प्रसार हो रहा था। उसके बाद राम भक्तों में रामलला के दर्शन करने करने की होड़ लग गई है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रण देकर 8000 व्हीव्हीआईपी को न्योता भेजा गया था। उसके बाद से ही राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने की भक्तों के बीच में होड़ लगना शुरु हो गई थी। भारतीय जनता पार्टी, और संघ के अनुवांशिक संगठनों द्वारा भी मार्च तक करोड़ों लोगों को सुनियोजित रूप से अयोध्या ले जाकर रामलला के दर्शन करने की जो मुहीम चलाई जा रही है। उसके कारण भी अयोध्या में अफरा तफरी और कानून व्यवस्था की स्थिति गड़बड़ा गई है। श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट द्वारा दावा किया जा रहा है,कि अयोध्या में 6 करोड़ राम भक्त दर्शन के लिए मार्च तक पहुंच सकते हैं। इस दावे को यदि सही मान लें, तो 10 लाख राम भक्त रोजाना अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए जाएंगे। अयोध्या में इतनी बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए ना तो रुकने की जगह है। ना ही उनके खाने-पीने का इंतजाम है। अयोध्या में मात्र 75 होटल हैं। 500 होम स्टे बनाए गए हैं। जिसमे अधिकतम 14000 यात्री ही रुक सकते हैं। ट्रस्ट द्वारा दावा किया जा रहा है, कि 8 टेंट सिटी बसाई गई है। इसमें 40000 बेड रखे गए हैं। टेंट सिटी का किराया 1000 से लेकर 20000 रुपये प्रतिदिन का है। जो श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। उनकी आर्थिक शक्ति इतने ज्यादा किराया देने की नहीं है। यदि सारे संसाधनों का उपयोग कर भी लिया जाए। इसके बाद भी 50000 से ज्यादा यात्री अयोध्या में रुक ही नहीं सकते हैं। अयोध्या में लाखों श्रद्धालु निय मित पहुंच रहे हैं। उन्हें भारी कष्ट और असुविधा हो रही है। मंदिर में दर्शन करने के लिए लंबी लंबी लाइनें लग रही हैं। दर्शन करने, आरती और भोग लगाने के संबंध में समुचित व्यवस्था नहीं हुई है। जिसके कारण हर स्तर पर अव्यवस्था देखने को मिल रही है। विपक्षी दल हमेशा से यह आरोप लगाते रहे हैं, कि लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए जल्दबाजी में यह आयोजन किया गया है। चारों शंकराचार्य भी बिना मंदिर निर्माण के पूर्ण हुए प्राण प्रतिष्ठा किए जाने का विरोध कर रहे थे। उसके बाद भी प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सानंद संपन्न हो गया है। पहले ही दिन लगभग 5 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच गए। जिसके कारण अफरा तफरी की स्थिति बन गई। कानून व्यवस्था की स्थिति अयोध्या में गड़बड़ा गई। मंदिर के अंदर भक्तों का जो रेला उमड़ा, उससे मंदिर प्रशासन के भी हाथ पैर फूल गए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को स्वयं मोर्चा संभालने के लिए अयोध्या पहुंचना पड़ा। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार, राज्य सरकार, जिला प्रशासन और मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा, कि राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने के लिए जो भक्त वहां पहुंच रहे हैं। वह भक्ति भाव से अपने प्रभु के दर्शन कर पाएं। उनके लिए समुचित व्यवस्थाएं बनाई जाएं। भाजपा और अन्य संगठनों द्वारा विशेष रेल गाड़ियों, विशेष बसों और विभिन्न माध्यमों से जो श्रद्धालु अयोध्या भेजे जा रहे हैं। उन्हें कुछ दिन तक रोक देना चाहिए। ताकि अयोध्या की कानून

व्यवस्था की स्थिति बनी रहे। श्रद्धालुओं को प्रभु राम के दर्शन आसानी से हो सकें। उनकी धार्मिक आस्थाएं भी बनी रहें। श्रद्धालुओं की यात्रा और दर्शन पूर्ण रूप से सुरक्षित रहते हुए कर पाएं, यह जिम्मेदारी मंदिर प्रशासन और उत्तर प्रदेश सरकार की है। अयोध्या में यदि लापरवाही बरती गई तो कभी भी भगदड़ मच सकती है। हालात बेकाबू हो सकते हैं। इससे बचने के लिये वृहद स्तर पर तैयारी की जानी चाहिए।

सेम्बकॉर्प को पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना का ठेका मिला

नई दिल्ली । सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज की शाखा ग्रीन इंफ्रा विंड एनर्जी को भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) से 450 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना का ठेका प्राप्त हुआ है। कंपनी ने कहा कि निर्माण-स्वामित्व-परिचालन परियोजना पूरे भारत में अंतरराजकीय पारेषण तंत्र (आईएसटीएस) से जुड़ी पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजनाओं को विकसित करने के लिए सेकी द्वारा जारी 2 गीगावाट बोली का हिस्सा है। बयान के अनुसार सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली नवीकरणीय सहायक कंपनी ग्रीन इंफ्रा विंड एनर्जी लिमिटेड (जीआईडब्ल्यूईएल) के माध्यम से एसईसीआई से 450 मेगावाट आईएसटीएस से जुड़ी पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना के लिए ठेका मिला है। परियोजना के पूरा होने पर उत्पन्न बिजली 25 साल के दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत सेकी को बेची जाएगी। यह परियोजना पीपीए पर दस्तखत होने की तारीख से 24 महीने के भीतर वाणिज्यिक संचालन के लिए तैयार होने की संभावना है और इसे कोष और कर्ज से वित्त पोषित किया जाएगा। इसके साथ भारत में सेम्बकॉर्प का सकल नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो 4.2 गीगावाट हो गया है।

हिताची एनर्जी का मुनाफा कई गुना बढ़कर 23 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली । हिताची एनर्जी इंडिया का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में कई गुना बढ़कर 23 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने कहा` कि कंपनी का मुनाफा 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तीसरी तिमाही में कई गुना होकर 23 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4.6 करोड़ रुपये था। हिताची एनर्जी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बयान में कहा कि उभरते ऊर्जा परिदृश्य की जटिलताओं से निपटने में प्रौद्योगिकियां और बाजार नवाचार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनसे विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा परिवर्तन की गति में और तेजी आई है, जिससे हमें इस तिमाही में अपनी वृद्धि बनाए रखने में मदद मिली है। कंपनी की आमदनी आलोच्य तिमाही में बढ़कर 1,276.4 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,041 करोड़ रुपये थी। कंपनी को समीक्षाधीन तिमाही में 1,235 करोड़ रुपये के ऑर्डर हो सिल हुए, जबकि दिसंबर, 2022 तिमाही में 1,222.1 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले थे।

ईबे इंक एक हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी

मुंबई । ई-कॉमर्स रिटेलर ईबे इंक अपने लगभग एक हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रहा है जो उसके पूर्णकालिक कार्यबल का नौ प्रतिशत है। ईबे के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कर्मचारियों के साथ साझा किए गए एक पत्र में कहा कि हम अपनी रणनीति के खिलाफ प्रगति कर रहे हैं। हमारी कुल वर्कफोर्स और खर्च हमारे कारोबार की वृद्धि से आगे निकल गए हैं। इसे ठीक करने के लिए हम संगठनात्मक बदलाव करना चाह रहे हैं। इसके तहत एंड टू एंड एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने और दुनिया भर में हमारे ग्राहकों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए कुछ टीमों को अलाइन और कंसोलिडेट किया जा रहा है। नौकरियों में कटौती के अलावा कंपनी आने वाले महीनों में अपने वैकल्पिक कार्यबल के भीतर कॉन्ट्रैक्ट्स की संख्या भी कम कर देगी। पिछले फरवरी में ईबे ने वैश्विक स्तर पर 500 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना की घोषणा की थी, जो उसके कुल कार्यबल का 4 फीसदी है। टेक कर्मचारियों के लिए नए साल 2024 की खराब शुरुआत हुई है। दरअसल, टेक कंपनियों में छंटनी का सिलसिला इस साल भी जारी है। छंटनी पर नजर रखने वाली वेबसाइट के आंकड़ों के मुताबिक इस साल कुछ हफ्तों में ही 63 टेक कंपनियों ने छंटनी की है। इसके तहत अब तक कुल 10963 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। इस महीने की शुरुआत में गूगल ने कहा कि वह वॉयस असिस्टेंट टीमों, पिक्सेल, नेस्ट और फिटबिट के लिए जिम्मेदार हार्डवेयर डिवीजनों और एडवर्टाइजिंग सेल्स टीम सहित कई यूनिट्स में हजारों कर्मचारियों की छंटनी करेगा।

भारतीय अंतरिक्ष संघ को बजट में पीएलआई, जीएसटी छूट की उम्मीद

चेन्नई।

भारतीय अंतरिक्ष संघ ने आगामी बजट में अंतरिक्ष अभियानों में काम आने वाले कंपोनेंट्स के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में छूट, कर अवकाश, रियायती सीमा शुल्क और बाहरी वाणिज्यिक उधार पर कम कर दर की उम्मीद जताई है।यह संघ भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र की निजी कंपनियों की लॉबी है।उसके अनुसार, उपग्रहों, रॉकेटों और जमीनी उपकरण विनिर्माण के साथ-साथ प्रमुख इनपुट की खरीद पर भी जीएसटी में छूट दी जानी चाहिए। चूंकि अंतरिक्ष क्षेत्र पूंजी प्रधान है, इसलिए बाह्य वाणिज्यिक उधार पर कर की दर को कम करके पांच प्रतिशत किया जाना चाहिए।संघ ने केंद्र सरकार से अंतरिक्ष क्षेत्र की फर्मों के लिए कर अवकाश और छूट,

अधिसूचित आयातों के लिए सीमा शुल्क में रियायत और कम लाभ मार्जिन को देखते हुए सैटेलाइट सेक्टर के लिए विदहोल्डिंग टैक्स को 10 प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत करने की माँग की है। सरकार से को कृषि, आपदा प्रबंधन आदि जैसे क्षेत्रों में अंतरिक्ष तकनीकी समाधान खरीदने और अपनाने की भी माँग की गई है। संघ ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र और संबंधित पहलुओं के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति पर स्पष्टता की तत्काल आवश्यकता है। उसने नए दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत गैर-नीलामी स्पेक्ट्रम आवंटित उपग्रह सेवाओं के लिए समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के प्रतिशत के रूप में उचित एसयूसी (स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क) ढाँचा तैयार करने, कर प्रभाव को अनुकूलित करने के लिए सैटेलाइट ऑपरेटरों को एकमुश्त शुल्क और लाइसेंस शुल्क पर 25 प्रतिशत मूल्यह्रास की अनुमति की भी माँग की है।

किशमिश के दामों में भारी कमी 140 से 190 रुपए में बिकी

इंदौर ।

महाराष्ट्र में अंगूर की फसल बहुत अच्छी होने के कारण, किशमिश के दामों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले साल की तुलना में इस साल अंगूर का उत्पादन ज्यादा हुआ है। बाजार में नया अंगूर आना शुरू हो गया है। पुरानी किशमिश का स्टॉक बाजार में उपलब्ध है। नई किशमिश भी जल्द ही आना शुरू हो जाएगी। किशमिश की मांग कम होने और आवक बढ़ने से इंडियन किशमिश का भाव 140 रुपए से लेकर 190 रुपए प्रति किलो के बीच में आ गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 690 , निफ्टी 215 अंक उछला

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही गत दो कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर अंकुश लग गया। बाजार में ये उछाल खरीदारी हावी होने से आया है हालांकि आज दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेता मिले थे। आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई पर कुछ समय बाद ही उसमें धातु, जिंस और टेलीकॉम शेयरों में खरीददारी से आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाल बीएसई सेंसेक्स 689.76 अंक तकरीबन 0.98 फीसदी ऊपर आकर 71,060.31 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ये 71,149.61 अंक तक जाने के बाद 70,001.60 अंक तक फिसला। वहीं पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 215.15 अंक तकरीबन 1.01 फीसदी टूटकर 21,453.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक 3.77 फीसदी बढ़े हैं। वहीं एचसीएल टेक के शेयर 3.62 फीसदी, इंडसइंड बैंक के 3.60 फीसदी, पावरग्रिड के 3.34 फीसदी ऊपर आये। इसके अलावा टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व और भारतीय एयरटेल के शेयर भी बढ़े हैं। वहीं दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस और टीसीएस के शेयर नीचे आये हैं। इन शेयरों में 2.94 फीसदी तक की गिरावट रही। सेंसेक्स के कुल 30 में से 25 शेयर जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में से 43 शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्की नीचे आया जबकि हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट उछला। यूरोप के प्रमुख बाजारों की बात करें तो जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन में शुरूआती कारोबार में तेजी रही। वहीं अमेरिकी बाजारों में मंगलवार को मिला-जुला रुख रहा। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.58 फीसदी बढ़कर 80.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

अडाणी समूह नेपाल के विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों में करेगा निवेशः मंत्री

काठमांडू।

नेपाल के वित्त मंत्री राम शरण महत ने कहा है कि अडाणी समूह नेपाल में हवाई अड्डों और ऊर्जा क्षेत्र सहित विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों में निवेश करेगा।महत ने हाल ही में गुजरात में दिग्गज कारोबारी से मुलाकात के बाद कहा, ÷अडाणी समूह के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अडाणी ने नेपाल में, विशेष रूप से ऊर्जा और हवाई अड्डा प्रबंधन क्षेत्रों में, निवेश का प्रस्ताव दिया था। महत - जो वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद हाल ही में गुजरात से लौटे हैं - ने अडाणी से मुलाकात की थी, जिन्होंने बदले में नेपाल में विशेष रूप से भारत-नेपाल सीमा के पास नए हवाई अड्डे के निर्माण और भैरवा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और अन्य का प्रबंधन संभालने के लिए निवेश करने का वादा किया है।

महत ने आईएएनएस को बताया, ÷मैंने उन्हें (अडाणी को) अप्रैल में आगामी नेपाल निवेश शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई है कि वह शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। नेपाल ने हाल ही में भैरवाहा और पोखरा में दो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे बनाए हैं, लेकिन भारत द्वारा नेपाली उड़ानों के संचालन के लिए एयर स्पेस प्रदान करने से इनकार करने के बाद वे नियमित उड़ानें संचालित करने में विफल रहे हैं।पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा चीनी ऋण से बनाया गया था जबकि भैरवाहा में हवाई अड्डा एशियाई विकास बैंक द्वारा दिए गए ऋण से चीनी ठेकेदारों द्वारा बनाया गया था। महत ने कहा कि उन्होंने (अडाणी) ने काठमांडू में त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का विस्तार और संचालन करने, भैरवा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का प्रबंधन लेने और बारा में निजगढ़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण का इरादा व्यक्त किया था। महत ने अडाणी के हवाले से आईएएनएस को बताया, निजगढ़ में नए हवाई अड्डे की लागत लगभग 6.7 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। हम भैरवाहा में अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा संचालित करने के लिए तैयार हैं और निजगढ़ में हवाईअड्डे का निर्माण करेंगे। महत ने कहा कि अडाणी ने नेपाल में जलविद्युत परियोजनाओं विशेषकर भेरी और करनाली परियोजनाओं में निवेश करने का इरादा जताया है। उन्होंने कहा, ÷अडाणी समूह की एक टीम ने हाल ही में काठमांडू का दौरा किया था और नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के महानिदेशक प्रदीप अधिकारी के साथ बातचीत की और नेपाल के हवाईअड्डा क्षेत्र में निवेश की संभावना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऋण से बनाए गए पोखरा क्षेत्रीय अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (पीआरआईए) और गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (जीबीआईए) को संचालित करने में असमर्थ होने के बाद, सीएएएन ने त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (टीआईए) और निजगढ़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण सहित तीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के संचालन में निजी क्षेत्र को लाने का फैसला किया है। महत ने कहा, सीएएएन ने चार हवाई अड्डों को सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल पर संचालित करने की अनुमति देने के लिए संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय को एक प्रस्ताव भेजा है।

लेकिन सीएएएन ने तीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों को पट्टे पर देने और नेपाल-भारत सीमा के पास स्थित निजगढ़ में एक और अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के लिए वैश्विक बोली प्रक्रिया का मन बना लिया है।

देश क्रिटिकल और रेयरैस्ट मिनरल्स के खनन की ओर बढ रहाः प्रह्लाद जोशी

- देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में खनिज संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है

भोपाल ।

केंद्रीय कोयला, खनन और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि देश क्रिटिकल मिनरल्स, रेयरैस्ट मिनरल्स के खनन की ओर आगे बढ़ रहा है। डाटा रिपोजिटरी अवलेबलिटी में वृद्धि हुई है, लाइसेंस, लीज क्लीयरेंस को भी सरल और त्वरित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश की राजधानी में आयोजित राज्यों के खनिज मंत्रियों के सम्मेलन में जोशी ने मध्यप्रदेश द्वारा खनन गतिविधियों से प्रभावित लोगों के विकास और उनकी आजीविका सुनिश्चित करने के लिए डीएमएफटी के अंतर्गत किए गए कार्यों की सराहना की। मध्यप्रदेश के मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी में प्रथम आने पर जोशी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में खनिज संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है, खनिज ब्लॉक्स की नीलामी और नवाचारों से राजस्व बढ़ा है, अन्य राज्यों को भी खनिज ब्लॉक्स की नीलामी की दिशा में पहल करना चाहिए। सस्टेनेबल माइनिंग से प्रदेश अपनी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार ला सकते हैं। केंद्र सरकार सभी राज्यों को खनन क्षेत्र में हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब देश क्रिटिकल मिनरल्स, रेयरैस्ट मिनरल्स के खनन की ओर आगे बढ़ रहा है। डाटा रिपोजिटरी अवलेबलिटी में वृद्धि हुई है, लायसेंस, लीज क्लीयरेंस को भी सरल और त्वरित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय खनन मंत्रालय द्वारा खनन क्षेत्र में किए गए सुधारों ओर नवाचारों से मध्यप्रदेश सहित सभी राज्यों को लाभ मिलेगा। हमारी समृद्ध भू-गर्भ संपदा में अनेक संभावनाएं छिपी हैं, इन सुधारों के क्रियान्वयन और नवाचारों को अपनाने से प्रदेश आर्थिक रूप से सुदृढ़ होगा। ब्लॉक्स की नीलामी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिसका भारत सरकार द्वारा जारी प्रमाण मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि 29 खनिज ब्लॉकों की नीलामी कर मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा है।

बर्मन परिवार को रेलिगेयर में 31.27 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी लेने मिली मंजूरी

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने डाबर इंडिया के प्रवर्तक बर्मन परिवार की चार संस्थाओं द्वारा रेलिगेयर एंटरप्राइजेज में 31.27 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। इससे वित्तीय सेवा कंपनी में उनकी बहुलांश हिस्सेदारी हो गई है। निष्पक्ष व्यापार नियामक ने चार संस्थाओं को शेयर बाजार खरीद के माध्यम से रेलिगेयर का 5.27 प्रतिशत और खुली पेशकश के माध्यम से अन्य 26 प्रतिशत हासिल करने की अनुमति दी। सीसीआई ने कहा कि बर्मन परिवार के नियंत्रण वाली चार इकाइयां- पूरन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, एम.बी. फिनमार्ट प्राइवेट लिमिटेड, वीआईसी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड और मिल्की इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी हैं। रेलिगेयर अपनी सहायक कंपनियों और परिचालन संस्थाओं के माध्यम से वित्तीय सेवा व्यवसाय में लगी हुई है। बर्मन परिवार ने बीमा और एफएमसीजी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश किया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2023 तक रेलिगेयर एंटरप्राइजेज में बर्मन परिवार की हिस्सेदारी 21.17 फीसदी थी। खुली पेशकश के साथ-साथ खुले बाजार में शेयरों की खरीद के माध्यम से अतिरिक्त 31.27 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के बाद रेलिगेयर में इसका स्वामित्व 52 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा।

रियलमी ने भारत में पांच साल में 10 करोड़ स्मार्टफोन बेचे

- कंपनी ने कहा, वह उत्पाद सुधार के अलावा ब्रांडिंग बेहतर करने पर भी ध्यान देगी

कोलंबो ।

चीन की स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी रियलमी ने अपनी स्थापना के पांच साल के अंदर 2023 में भारत में 10 करोड़ स्मार्टफोन बेचने का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि ब्रांड इस साल अपनी बिक्री को और बढ़ाने के लिए कामकाज, फोटोग्राफी और डिजायन को उत्कृष्ट बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। यह स्मार्टफोन की अपनी तीन श्रृंखलाओं के साथ विविध बाजार खंड में है। सी श्रृंखला किफायती मूल्य पर गुणवत्ता, डिजाइन और प्रौद्योगिकी पर केंद्रित है, संख्या श्रृंखला उन्नत फोटोग्राफी विकल्पों के साथ मध्य-श्रेणी खंड को लक्षित करती है और जीटी श्रृंखला अधिक उन्नत तकनीक पर ध्यान देने के साथ अत्याधुनिक खंड में स्थित है। उन्होंने यहां बातचीत के दौरान कहा कि उत्पाद सुधार के अलावा कंपनी ब्रांडिंग बेहतर करने पर भी ध्यान देगी। इसका लक्ष्य विशेष रूप से युवा उपभोक्ताओं की जरूरतों और प्राथमिकताओं को पूरा करने वाला एक तकनीकी ब्रांड बनना है। उत्पाद नवाचार और ब्रांडिंग उन्नयन की यह दोहरी रणनीति कंपनी को भारतीय बाजार में प्रासंगिक बने रहने में मदद करेगी। उन्होंने 2024 की रणनीति पर कहा कि रियलमी नवाचार के लिए 30 प्रौद्योगिकी साझेदारों के साथ सहयोग करना और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में भारी निवेश करना चाहता है। हम अनुसंधान एवं विकास में 470 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे। यह हमारी तकनीकी क्षमताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह भारत के बाजार में मध्य-उच्च श्रेणी खंड में जाने की हमारी महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है। रियलमी का मुख्यालय चीन के शेनजेन शहर में है। कंपनी ने ग्राहकों का रुख जानने और समन्वय करने के लिए पिछले साल भारत में एक अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) केंद्र खोला था। उन्होंने कहा` कि भारत में हमारी नजर कुछ रोमांचक भविष्य पर है, इसलिए हमने एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित किया है। यह केंद्र सिर्फ गैजेट और उपकरण नहीं बना रहा है बल्कि व्यापक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है। इससे भारत में रोजगार के 13,000 अवसर प्राप्त हुए। यह मेक इन इंडिया के समर्थन में और स्थानीयकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि 5जी उत्पादों के लिए लोगों के बीच बढ़ती पसंद को स्वीकार करते हुए रियलमी भारत में 5जी तकनीक का लोकतंत्रीकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्विगी प्लेटफॉर्म शुल्क 10 रुपए तक बढ़ाएगी

मुंबई ।

आईपीओ लाने की तैयारियों के बीच फूड डिलीवरी एग्रीगेटर स्विगी अपनी प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाने की तैयारी कर रही है। स्विगी इस समय प्लेटफॉर्म फीस 5 रुपए प्रति ऑर्डर ले रही है जिसे सीधा दोगुना बढ़ाकर 10 रुपए किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अपनी प्लेटफॉर्म फीस में संभावित इजाफा करने के लिए स्विगी ने टेस्टिंग भी शुरू कर दी है। एक छोटे यूजर वर्ग के ऊपर इसकी टेस्टिंग चल रही है और इसे कंपनी की सोची-समझी कारोबारी रणनीति के तहत लिया गया कदम माना जा सकता है। ये ठीक वैसा ही है जब अप्रैल 2023 में स्विगी ने 2 रुपए प्रति यूजर की नॉमिनल फीस लेनी शुरू की थी जिसे कुछ ग्राहकों पर लागू किया गया था और बाद में इसे बढ़ाकर सभी ग्राहकों पर लागू कर दिया गया था। इस समय स्विगी पर मौजूदा प्लेटफॉर्म फीस 5 रुपए है। स्विगी के प्रवक्ता ने कहा है कि कंपनी ने अपनी प्लेटफॉर्म फीस में इजाफा नहीं

किया है और निकट अवधि में कोई बड़ी बढ़ोतरी करने की योजना नहीं है। हम हमेशा अपने ग्राहक की पसंद को समझने के लिए प्रयोग करते रहते हैं। ये एक छोटा प्रयोग था और अगर ये हमारे ग्राहकों को सुविधा देने के लक्ष्य को सबसे अच्छी तरह पूरा नहीं करेगा तो हम शायद इसे भविष्य में आगे नहीं बढ़ाएंगे।

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव

ब्रेंट क्रूड का भाव 0.45 डॉलर गिरकर 79.61 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक दिन उछाल के बाद बुधवार सुबह फिर गिरावट देखी गई। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के खुदरा भाव भी जारी कर दिए हैं। बुधवार को नोएडा में पेट्रोल महंगा हुआ है, गाजियाबाद में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जहां पेट्रोल 96.58 रुपये लीटर बिक रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 35 पैसे चढ़कर 97.00 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 32 पैसे महंगा होकर 90.14 रुपये लीटर हो गया है। बिहार के बक्सर जिले में पेट्रोल 29 पैसे बढ़कर 108.55 रुपये लीटर तो डीजल 29 पैसे चढ़कर 95.27 रुपये लीटर बिक रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल 3 पैसे सस्ता होकर 108.45 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 3 पैसे की गिरावट के साथ 93.69 रुपये लीटर बिक रहा है। वैश्विक बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.45 डॉलर गिरकर 79.61 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई में भी गिरावट दिखी और यह 74.42 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है। वहीं दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 108.45 रुपये और डीजल 93.69 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बक्सर में पेट्रोल 108.35 रुपये और डीजल 95.27 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

तीसरी तिमाही में कैनरा बैंक के शुद्ध लाभ में 27 फीसदी की वृद्धि

मुंबई।

केनरा बैंक ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही का नतीजा घोषित किया। बैंक के शुद्ध लाभ में 26.87 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो 3,656 करोड़ रुपए बढ़ गया।

पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 2,881.5 करोड़ रुपए था।तिमाही के दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 9.5 प्रतिशत बढ़कर 9,417 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 8,600 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान बैंक का ऋण 12.6 फीसदी बढ़ गया। बैंक ने संपत्ति की गुणवत्ता में भी सुधार दर्ज किया।

सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (जीएनपीए) जुलाई-सितंबर तिमाही में 43.955.6 करोड़ रुपये से तीसरी तिमाही में कुल ऋण का 5.1 प्रतिशत गिरकर 41,722 करोड़ रुपए हो गई। बैंक की एनपीए में भी 3 प्रतिशत की गिरावट आई। तीसरी तिमाही में बैंक का प्रावधान दूसरी तिमाही के 2,609 करोड़ रुपये से गिरकर 1,899 करोड़ रुपये हो गया। केनरा बैंक का वैश्विक कारोबार साल-दर-साल 9.87 फीसदी बढ़कर 22,13,360 करोड़ रुपए हो गया, जिसमें दिसंबर 2023 में वैश्विक जमा 12,62,930 करोड़ रुपए और वैश्विक अग्रिम 9,50,430 करोड़ रुपए था। बैंक की घरेलू जमा राशि 11,66,848 करोड़ रुपए थी जो साल-दर-साल 8.07 फीसदी अधिक है, जबकि इस अवधि के दौरान घरेलू अग्रिम 12.56 फीसदी बढ़कर 9,01,465 करोड़ रुपए हो गया। बीएसई पर केनरा बैंक के शेयर में नतीजों के बाद 0.18 फीसदी की गिरावट आई। इसका शेयर प्राइस 455.10 रुपए पर आ गया।

भारत पहुंचे पीटरसन बोले , जय श्री राम

हैदराबाद । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन भारतीय टीम के साथ सीरीज में कमेंट्री के लिए भारत आये हैं। पीटरसन ने भारत पहुंचते ही जय श्रीराम कहकर अभिवादन किया। भारत-इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरु होगा। इससे पहले केविन पीटरसन ने हैदराबाद की पिच पर सवाल उठाए थे, जिसमें भारत-इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच होना है पर अब उनका रवैया बदला हुआ नजर आ रहा है। पीटरसन इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटरों में शामिल रहे हैं। भारत के खिलाफ भी इस बल्लेबाज का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। पीटरसन भारत आने से पहले दक्षिण अफ्रीका में अफ्रीका टी20 लीग में शामिल थे। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि अब भारत जाने का वक्त है, जहां गुरुवार से बड़ी टेस्ट सीरीज होने वाली है। पीटरसन ने इस पोस्ट के तकरीबन 4 घंटे बाद एक और पोस्ट में हिंदी में , 'जय श्री राम लिखा।' पीटरसन वैसे तो पहले भी हिंदी में कई ट्वीट कर चुके हैं हालांकि, कई यूजर उनके जय श्री राम वाले ट्वीट को अयोध्या के राम मंदिर से जोड़कर देख रहे हैं। कई यूजर्स ने पीटरसन के जवाब में अयोध्या में विराजमान भगवान राम की तस्वीर साझा कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

भारत-इंग्लैंड पहला टेस्ट आज से

रजत पाटीदार करेंगे पदार्पण

हैदराबाद ।

यहां के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में गुरुवार से भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट शुरु होगा। इस सीरीज में दोनो ही टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। भारतीय टीम को घरेलू मैदानों का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही उसे प्रशंसकों का भी समर्थन मिलेगा। भारतीच पिचें स्पिनरों की सहायक होती हैं। जिससे भी टीम को लाभ होगा। कप्तान रोहित शर्मा की टीम इस सीरीज को हर हाल में जीतना चाहेगी। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस टेस्ट में नहीं खेलेंगे। उनकी जगह रजत पाटीदार को अवसर मिला है। पाटीदार का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकार्ड रहा है। वहीं केएल राहुल इस सीरीज में बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। विकेटकीपर के तौर पर केएस भरत या ध्रुव जुरेल में से किसी एक को मौका मिलेगा। भारतीय बल्लेबाजी रोहित के अलावा राहुल और यशस्वी जायसवाल , शुभमन गिल जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदार आर अश्विन , रविन्द्र जडेजा और कुलदीप यादव पर रहेगी। तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। पांच मैचों की ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में जगह बनाने को देखते हुए भी बेहद अहम है। ऐसे में इंग्लैंड भी इसमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड के बीच अभी तक कुल 131 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। इसमें से 50 मुकाबले इंग्लैंड की टीम ने जबकि भारतीय टीम ने केवल 31 मैच जीते है। वहीं 50 मैच ड्रॉ रहे हैं। इस प्रकार मेहमान टीम का पलड़ा भारी नजर आता है पर टीम इंडिया ने अपने घरेलू मैदान पर कुल 22 मैचों में जीत दर्ज की। वहीं भारत को इंग्लैंड में कुल 9 मुकाबलों में जीत मिली है। इंग्लैंड को अपने घरेलू मैदान पर कुल 36 मुकाबले में जीत मिली है, जबकि भारत में 14 मुकाबले में जीत मिली है। वहीं भारत में स्पिन पिचों को देखते हुए बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम ने पहले टेस्ट के लिए तीन स्पिनरों और एक तेज गेंदबाज को शामिल किया है। यहां तक कि तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को भी जगह नहीं मिली है। रेहान अहमद, जैक लीच और टॉम हार्टले स्पिन की जिम्मेदारी संभालेंगे। तेज गेंदबाज के रूप में उन्होंने सिर्फ मार्क वुड को ही टीम में जगह दी है। हार्टले इस मैच से टेस्ट डेब्यू करेंगे। इंग्लैंड ने बेन फॉक्स को भी टीम में जगह दी है। यानी वह टीम के लिए बतौर विकेटकीपर खेलेंगे और जॉनी बेयरस्टो टीम में एक बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे। टीम में प्रमुख बल्लेबाज जो रुट भी शामिल हैं।

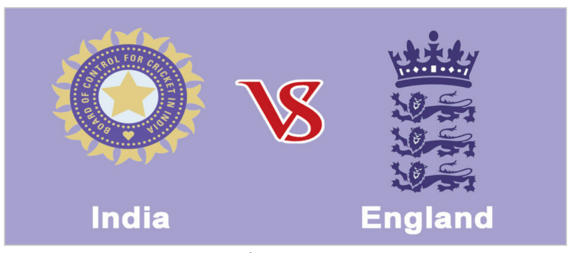

अजेय नहीं हम, जीत के लिए लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होगा: रोहित

हैदराबाद ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि हमारी टीम अजेय नहीं हैं और उसे मेहमान टीम इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट गुरुवार से यहां शुरू हो रहा है। रोहित ने कहा कि उनका पूरा ध्यान टीम की रणनीति पर होगा। भारत को अंतिम बार अपनी धरती पर साल 2012 में एलेस्टेयर कुक की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के हाथों टेस्ट सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। उसके बाद से भारत ने लगातार 16 श्रृंखलायें जीती है जिनमें सात में 'क्लीन स्वीप किया है। रोहित ने मैच से पूर्व कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अजेय हैं। हम ऐसा सोच भी नहीं रहे। पिछले एक दशक में हमने जो भी रिकॉर्ड बनाये हो, वह इस बात की गारंटी नहीं है कि हम यह सीरीज भी आराम से जीत लेंगे। हमें जीतने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। रोहित ने हालांकि माना कि केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'केपटाउन में मिली जीत अच्छी थी लेकिन यह मैच हैदराबाद में है और वहां के हालात अलग हैं हालांकि टीम को बढ़े हुए मनोबल का लाभ मिलेगा।

सुमित नागल करेंगे बेंगलुरु ओपन में भारत की चुनौती का नेतृत्व

बेंगलुरु। ऑस्ट्रेलियन ओपन में दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर बुबलिक को हराकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले सुमित नागल 10 फरवरी से शुरू होने वाले बेंगलुरु ओपन में मजबूत भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे।137वें स्थान के साथ, नागल एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश पाने वाले एकमात्र भारतीय हैं, जहां कट ऑफ 257 निर्धारित किया गया था। 11 विभिन्न देशों के कुल 21 खिलाड़ियों ने एटीपी 100 चैलेंजर टूर्नामेंट में मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया है। फ्रांस के विश्व रैंकिंग में 106वें नंबर के खिलाड़ी बेंजामिन बोन्ज़ी टूर्नामेंट में प्रवेश करने वाले सर्वोच्च रैंक वाले खिलाड़ी हैं।इस साल, प्रतिस्पर्धा और बढ़ने वाली है। आठ खिलाड़ियों को शीर्ष 200 में स्थान दिया गया है, जिनमें से चार शीर्ष 150 में हैं, टेनिस का स्तर ऐसा है कि 100-200 रेंज के खिलाड़ियों के बीच अंतर करना चुनौतीपूर्ण है।आयोजन समिति के अध्यक्ष, आईटी, बीटी और आरडीपीआर मंत्री, कर्नाटक सरकार और केएसएलटीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रियांक खड़गे ने कहा, खिलाड़ियों के बीच उत्कृष्ट प्रतिस्पर्धाएं हैं और बेंगलुरु उनका स्वागत करने के लिए उत्साहित है। नागल ने 2017 में यह टूर्नामेंट जीता था और सीज़न के पहले मेजर में मजबूत प्रदर्शन के बाद एक और खिताब जीतने के लिए खुद को तैयार किया था, जहां उन्होंने मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया था और पहले चार मैचों में एक भी सेट नहीं छोड़ा था। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मनोबल बढ़ाने वाली सफलता के बाद, जब मैं अपनी जड़ों की ओर लौट रहा हूं तो मैं आत्मविश्वास और उम्मीद से भरा हुआ हूं। यह संस्करण चुनौतियों से भरा होने की उम्मीद है, कई मजबूत दावेदार हैं, जो इस संस्करण को और अधिक चुनौतीपूर्ण और निश्चित रूप से रोमांचक बनाते हैं।

बीबीएल :

ब्रिस्बेन हीट ने 11 साल बाद जीता दूसरा खिताब

सिडनी।

पावर हिटिंग और दमदार गेंदबाजी के शानदार प्रदर्शन में ब्रिस्बेन हीट विजयी हुई और 11 साल में अपना दूसरा बिग बैश लीग (बीबीएल) खिताब जीता, क्योंकि उन्होंने सिडनी क्रिकेट में सिडनी सिक्सर्स को बुधवार को 54 रनों से हराया। जीत के हीरो कोई और नहीं बल्कि विस्फोटक सलामी बल्लेबाज जोश ब्राउन थे। जिन्होंने न केवल एक और तेज अर्धशतक जड़ा बल्कि सिडनी सिक्सर्स को 54 रनों से ध्वस्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रिस्बेन हीट के जोश ब्राउन और कप्तान नाथन मैकस्वीनी ने जबरदस्त साझेदारी कर मंच तैयार किया।ब्राउन, जो अपनी बड़ी हिटिंग क्षमता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एक बार फिर अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

ब्राउन ने 8 विकेट पर 166 रन के स्कोर के लिए 53 रन का योगदान दिया। हीट की पारी को रिजर्व टेस्ट टीम के बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ से अतिरिक्त बढ़ावा मिला, जिन्होंने 22 गेंदों में तेजी से 40 रन जोड़े। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिक्सर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और माइकल नेसर ने सनसनीखेज गेंद पर डेनियल ह्यूज को आउट कर दिया। जैक एडवर्ड्स और जोश फिलिप के प्रयासों के बावजूद, स्पेंसर जॉनसन की घातक गेंदबाजी ने विपक्ष को ध्वस्त कर दिया। उनके चार विकेट ने उन्हें टीम के साथी जेवियर बार्टलेट को पीछे छोड़ दिया, जो टूर्नामेंट में 19 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। मैच निर्णायक मोड़ तब आया जब वापस बुलाए गए लेग स्पिनर मिशेल स्वेपसन ने जॉर्डन सिल्क का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिससे सिक्सर्स की मुश्किलें और बढ़ गईं। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के साथ, जिसमें सिक्सर्स के कप्तान मोइजेस हेनरिक्स का आउट होना भी शामिल था, ऐसा लग रहा था कि ट्रॉफी हीट के लिए तय है।जैसे ही सिक्सर्स 112 रन पर आउट हो गए, ब्रिस्बेन हीट ने एक अविश्वसनीय अभियान के अंत का जश्न मनाया। इस जीत ने पिछले सीज़न के निर्णायक ओवर में उनकी हार का बदला ले लिया, और उन्होंने एक उत्कृष्ट यात्रा के बाद खिताब जीता जिसमें स्टैंडिंग में शीर्ष पर पहुंचने के लिए अपने पहले सात घरेलू और विदेशी मैच जीतना शामिल था।

संक्षिप्त समाचार

एंडरसन पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में शामिल नहीं , हर्टली करेंगे डेब्यू

हैदराबाद । इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए अपने सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को शामिल नहीं किया है। एंडरसन के पास इस मैच में नये रिकार्ड बनाने का अवसर था पर मेहमान टीम ने भारत में स्पिनरों की सहायक पिचों को देखते हुए बाएं हाथ के स्पिनर टॉम हर्टली को शामिल करना पसंद किया। इंग्लैंड ने अपनी अंतिम ग्यारह में तीन स्पिनरों को शामिल किया है। इन तीन स्पिनरों में टॉम हर्टली भी शामिल हैं। इंग्लैंड की तीन स्पिनरों के साथ उतरने की रणनीति से ही एंडरसन को टीम से बाहर बैठना पड़ रहा है। एंडरसन ने 183 टेस्ट मैच में 690 विकेट लिए हैं। उन्हें 700 विकेट का आंकड़ा हासिल के लिए केवल 10 विकेट की जरुरत है। अगर वे सीरीज में 19 विकेट ले लेते हैं तो दिवंगत शेन वॉर्न के 708 विकेट के रिकार्ड को भी पीछे छोड़ देंगे। टीम में एकमात्र तेज गेंदबाज के रुप में मार्क वुड शामिल हैं। इंग्लैंड ने विशेषज्ञ विकेटकीपर बेन फॉक्स को भी प्लेइंग इलेवन में जगह दी है। इससे साफ है कि जॉनी बेयरस्टो विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। इंग्लैंड की अंतिमः बेन स्टोक्स (कप्तान) , जैक क्रॉउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन फॉक्स (विकेटकीपर), रेहान अहमद, मार्क वुड, टॉम हार्टले और जैक लीच।

झेंग किनवेन ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली चौथी चीनी महिला खिलाड़ी बनीं

मेलबर्न, 12वीं वरीयता प्राप्त चीन की झेंग किनवेन ने गैरवरीय अन्ना कलिंस्काया के खिलाफ खराब शुरुआत से उबरते हुए 6-7(4) 6-3 6-1 से जीत हासिल कर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश करने के साथ टेनिस इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। मैच की शुरुआत झेंग के लिए लड़खड़ाहट के साथ हुई, क्योंकि पहले सेट में अप्रत्याशित त्रुटियों की एक श्रृंखला ने उन तंत्रिकाओं का संकेत दिया जो ऐसे स्मारकीय अवसरों के साथ हो सकती हैं। 75वीं रैंकिंग वाली और अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में भाग ले रही कलिंस्काया ने झेंग द्वारा शुरुआती ब्रेक के बाद वापसी करने का अवसर जब्त कर लिया। सेट में ब्रेक का आदान-प्रदान हुआ, लेकिन कलिंस्काया ने टाईब्रेक 7-4 से जीतकर बढ़त ले ली। डेढ़ सेट तक, झेंग के लिए स्पॉटलाइट कुछ ज्यादा ही उज्ज्वल लग रही थी, जिसने पसंदीदा के रूप में मैच में प्रवेश करने के बावजूद, खुद को अस्वाभाविक गलतियाँ करते हुए पाया। दूसरे सेट के बीच में माहौल में तनाव ख़त्म हो गया, जैसे कि 21 वर्षीय खिलाड़ी के खेल में कोई स्विच फ़्लिप कर दिया गया हो। अचानक, झेंग की सर्विस को अपनी लय मिल गई और उसके ग्राउंडस्ट्रोक में नया आत्मविश्वास झलकने लगा। एक महत्वपूर्ण क्षण में कलिंस्काया की सर्विस को तोड़ते हुए, उसने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया और बीच में एस के साथ सेट समाप्त किया। यह गति तीसरे सेट में भी जारी रही, जहां झेंग का खेल अपने चरम पर पहुंच गया।

जिमनास्ट आर्यन ने 2 और स्वर्ण पदक जीतकर अपनी कुल संख्या 4 तक पहुंचा दी

चेन्नई,

महाराष्ट्र के जिम्नास्ट आर्यन दावंडे ने बुधवार को पैरेलल बार्स और वॉल्ट में दो स्वर्ण पदक जीते और अपने छठे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 अभियान को चार स्वर्ण और एक कांस्य के साथ समाप्त किया।महाराष्ट्र के साइकिल चालक वेदांत जाधव और राजस्थान की विमला माचरा ने भी बुधवार को तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय (टीएनपीईएसयू) के वेलोड्रोम में केरिन दौड़ जीतकर अपने अभियान को उच्च स्तर पर समाप्त करके अपने खाते में एक और स्वर्ण पदक जोड़ा। तमिलनाडु ने स्क्वैश में भी ग्रैंड डबल हासिल किया और उनकी लड़कियों और लड़कों की टीमों ने खेल की शुरुआत में आसानी से स्वर्ण पदक जीता। लड़कियों की टीम ने महाराष्ट्र को 2-0 से हराया जबकि लड़कों ने उत्तर प्रदेश को समान अंतर से हराया। लेखन के समय, गत चैंपियन महाराष्ट्र 18 स्वर्ण सहित पदकों का अर्धशतक पार करने वाला पहला दल बन गया था। उनमें से तीन स्वर्ण पदक जिम्नास्टिक से आए, जिसमें शताक्षी टाके ने लड़कियों के फ्लोर वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि दावांडे ने पहले ही उन्हें स्वर्णिम शुरुआत दे दी थी। ठाणे स्थित जिमनास्ट, जिन्होंने पहले दो दिनों में ऑल-राउंड और फ़्लोर स्वर्ण पदक जीता था, ने दिन की शुरुआत 13.200 के स्कोर के साथ वॉल्ट में स्वर्ण पदक के साथ की और फिर पैरेलल बार्स में अपने विरोधियों को आराम से हरा दिया। उनका स्कोर 12.500 रहा।

पश्चिम बंगाल के सुभादीप पात्रा ने उत्तर प्रदेश के प्रणव मिश्रा के खिलाफ करीबी मुकाबले में हॉरिजॉन्टल बार का स्वर्ण पदक जीता। निशानेबाजी में, हरियाणा के सम्राट राणा ने मंगलवार को जीते गए 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्वर्ण में 10 मीटर एयर पिस्टल का स्वर्ण जोड़ा। राणा, जिन्होंने तीसरे स्थान पर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, ने कुल 242.8 का स्कोर बनाकर कर्नाटक के जोनाथन गेविन एंथोनी को एक पूरे अंक से पछाड़ दिया। राजस्थान के अंशुल ने 221.3 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

पहले दो टेस्ट मैचों के लिए विराट की जगह रजत पाटीदार शामिल

हैदराबाद ।

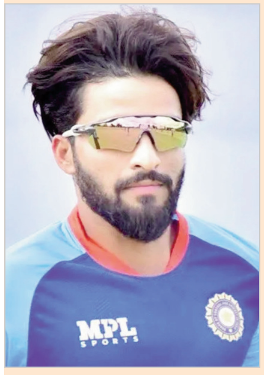

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने विराट कोहली की जगह पहले दो टेस्ट मैचों के लिए बल्लेबाज रजत पाटीदार को शामिल किया है। विराट ने निजी कारणों से पहले दो टेस्ट मैचों से नाम वापस ले लिया था। वहीं उनकी जगह शामिल रजत इस मैच से अपना टेस्ट डेब्यू करेंगे। पाटीदार का घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल में शानार रिकार्ड रहा है। पाटीदार ने गत वर्ष दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने पदार्पण मुकाबले में ही 16 गेंदों में 137.50 की स्ट्राइक रेट के साथ 22 रन बनाए थे। पिछले सप्ताह पाटीदार ने भारत ए टीम की ओर से अहमदाबाद में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 151 रन बनाए थे। ये बल्लेबाज इस समय शानदार लय में है जिसका लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। आईपीएल में पाटीदार ने 12 मैच खेलकर 40.4 की औसत और 144.29 की स्ट्राइक रेट से 404 रन बनाए हैं। इससे पहले बीसीसीआई ने घोषणा की थी कि विराट ने व्यक्तिगत कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों से नाम वापस ले लिया है। बीसीसीआई ने एक आधिकारिक बयान में कहा, विराट ने निजी कारणों का हवाला देते हुए भारतीय इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले दो टेस्ट से हटने का अनुरोध किया था। साथ ही कहा कि मीडिया और प्रशंसकों से अनुरोध करता है कि वे इस दौरान विराट कि निजता का सम्मान करें और उनके व्यक्तिगत कारणों की प्रकृति पर अटकलें लगाने से बचें।

बांग्लादेश के खिलाड़ी मारूफ को आईसीसी ने लगायी फटकार

अंडर-19 विश्व कप में आचार संहिता तोड़ने का था आरोप

ब्लोमफोंटेन । बांग्लादेश के क्रिकेटर मारूफ मृधा को भारत के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अपशब्दों का इस्तेमाल करने के कारण आईसीसी ने फटकारा है। मृधा को आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह अंतरराष्ट्रीय मैच में अपमानजनक शब्दों और व्यवहार पर लगायी जाती है। आईसीसी के अनुसार मृधा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। यह घटना भारत की पारी के 44वें ओवर में घटी, जब बल्लेबाज को आउट करने के बाद मृधा ने आक्रामक तरीके से 2 बार ड्रेसिंग रूम की ओर इशारा किया। मृधा ने इस अपराध को स्वीकार कर लिया। वहीं मृधा ने आईसीसी मैच रेफरी के अंतरराष्ट्रीय पैनल के शैद वाडवल्ला द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, जिससे इस मामले में अब और औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं पड़ी है।मृधा ने इस मैच में आठ ओवर में 43 रन देकर 5 विकेट लिए थे। इस मैच में भारतीय टीम ने 50 ओवर में सात विकेट पर 251 रन बनाये थे। इसके बाद भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 167 रन पर आउट कर 84 रन से बड़ी जीत हासिल की।

इंडोनेशिया मास्टर्स: लक्ष्य और किरण दूसरे दौर में; प्रणय, किदांबी बाहर

जकार्ता,

लक्ष्य सेन और किरण जॉर्ज बुधवार को यहां इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में दूसरे दौर में पहुंच गए, जबकि एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत को शुरुआती हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य सेन, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर हैं और पेरिस ओलंपिक के लिए योग्यता पर नजर गड़ाए हुए हैं, ने मलेशिया ओपन के पहले दौर में चीन के वेंग होंग यांग से मिली हार का बदला लेने के लिए लचीलेपन और कौशल का प्रदर्शन किया। सेन ने अपने शुरुआती दौर के मैच में 24-22, 21-15 से जीत हासिल की, जिससे अगले दौर में मलेशिया ओपन चैंपियन डेनमार्क के एंडर्स एंटनसन या इंडोनेशिया के चिको ऑरा ड्वी वार्डोयो के खिलाफ संभावित मुकाबले का मंच तैयार हो गया। 2022 ओडिशा ओपन और 2023 डेनमार्क मास्टर्स में सुपर 100 खिताब के साथ उभरते सितारे किरण जॉर्ज ने शुरुआती गेम में उलटफेर के बाद वापसी करके अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में 18-21, 21-16, 21-19 से जीत हासिल की और चीन के लू गुआंग ज़ू के खिलाफ दूसरे दौर में जगह बनाई। हालाँकि, भारतीय दल को असफलताओं का सामना करना पड़ा क्योंकि एचएस प्रणय, जो हाल ही में इंडिया ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल में पहुँचे थे, को सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू (18-21, 21-19, 10-21) से मामूली हार का सामना करना पड़ा। 31 साल के प्रणय को इससे पहले मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा था। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने 10वीं रैंकिंग वाले मलेशिया के ली ज़ी जिया के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी। शुरुआती गेम (21-19) हासिल करने के बावजूद, श्रीकांत लय बरकरार नहीं रख सके और अंततः 54 मिनट के संघर्ष में 21-19, 14-21, 11-21 से हार गए। यह हार श्रीकांत की सीज़न के पहले दौर में लगातार दूसरी हार है।

रचिन रवींद्र बने इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी रचिन रवींद्र और ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज फोबे लीचफील्ड को क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में आईसीसी इमर्जिंग क्रिकेटर ऑफ द ईयर का विजेता चुना गया है। वहीं नीदरलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी बास डी लीडे और केन्या के कप्तान क्वीनटोर एबल को क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाजी ऑलराउंडर रवींद्र ने 2023 में अपने वनडे कारनामों के लिए सुर्खियां बटोरीं, जिस प्रारूप में उन्होंने मार्च में डेब्यू किया था।उन्होंने शुरुआत में ही श्रीलंका के खिलाफ 49 रनों की पारी खेलकर इसकी झलक दिखाई। साथ ही गेंद से भी कमाल दिखाया। वहीं, पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ घर से बाहर लगातार तीन-तीन विकेट लिए।इंग्लैंड के खिलाफ पुरुष वनडे विश्व कप के न्यूजीलैंड के शुरुआती मैच में 96 गेंदों पर नाबाद 123 रन की परिपक्वता दिखाने से पहले, उन्होंने लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाया।धर्मशाला में एक रोमांचक मैच में भारत के खिलाफ एक और अर्धशतक से पहले नीदरलैंड के खिलाफ 51 रन की पारी खेली।अपने माता-पिता के होमटाउन बेंगलुरु में पाकिस्तान के खिलाफ एक और शतक लगाने से पहले रवींद्र ने उसी स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक उत्साही लक्ष्य का पीछा करते हुए 116 रन बनाए।पुरुषों के वनडे विश्व कप के एकल संस्करण में न्यूजीलैंड के किसी खिलाड़ी के लिए रवींद्र के 578 रन सबसे अधिक रन थे।

रंगबिरंगे फूलों की घाटी

मनाली

आग बरसाते जून के महीने में पहाड़ी वादियों की ठंडक तन और मन को बेहद आराम देती है। यदि आप ठंडे और शांत माहौल की तलाश में हैं तो भी मनाली आपको खूब भाएगा। यही सोचकर भारी संख्या में पर्यटकों ने पहाड़ों का रुख कर लिया है। आप भी कहीं जाने की बात सोच रहे हैं तो आपके लिए हिमाचल प्रदेश का मनाली एक अच्छी जगह साबित हो सकती है। आप एडवेंचर के शौकीन हैं तो आपके लिए यहां ट्रैकिंग, माउंटेनियरिंग, स्कीइंग, पैरा ग्लाइडिंग आदि की व्यवस्था मिल जाएगी।

प्रकृति ने मनाली को खुले हाथों से नूर बख्शा है। कुल्लू घाटी के प्रमुख पर्यटक स्थल मनाली में आकर हर कोई अपने आपको स्वर्ग में पाता है। हरी भरी वादियों ऊंचे-नीचे पहाड़ों पर दूर-दूर तक दिखाई देते देवदार के छोटे-बड़े पेड़ प्राकृतिक सौंदर्य को दोगुना कर देते हैं। इनके बीच घुमावदार पहाड़ी पगडंडियों पर चलते लोगों को देखकर खुद भी ट्रैकिंग का मन कर आता है।

दिल्ली से लगभग साढ़े पांच सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मनाली को रंगबिरंगे फूलों की घाटी भी कहा जाता है। दिसंबर के महीने में यहां हरियाली दूर-दूर तक देखने को नहीं मिलती। कारण है कि पहाड़ों, पेड़ों और घरों पर बर्फ की सफेद चादर जो फैली होती है।

गर्मी के मौसम में यहां का तापमान 10 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। लेकिन सर्दी के मौसम में ज्यादातर दिनों में सात डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। यहां आने के लिए गर्मी के लिहाज से मार्च से जून और ठंड के लिहाज से अक्टूबर से फरवरी के महीने ज्यादा ठीक रहते हैं।

देखने लायक खास स्थल :

कुल्लू घाटी का असली सौंदर्य मनाली में ही देखने को मिलता है। यहां देखने और घूमने के लिहाज से बहुत से मशहूर स्थल हैं। यहां की सुरमई शाम अलसाती भोर का मजा ही कुछ और है।

कोठी : मनाली से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है कोठी। यहां से पहाड़ों का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यहां बीस नदी का तेजी से बहता ठंडा पानी अदभुत नजारा पेश करता है।

राहला फॉल्स, मनाली सैंचुरी : कोठी से दो किमी की दूरी पर बीस नदी पर राहला फॉल्स स्थित है। यहां 50 मीटर की ऊंचाई से गिरता झरने का पानी सैलानियों को खूब लुभाता है। मनाली सैंचुरी में पर्यटक कैपिंग के लिए पहुंचते हैं।

सोलन वैली : यहां से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोलन वैली सैलानियों को खासी आकर्षित करती है। यहां ट्रैकिंग, स्कीइंग और माउंटेनियरिंग के कैंप आयोजित किए जाते हैं। 10 से 14 फरवरी के बीच यहां सालाना विंटर कार्निवाल का आयोजन किया जाता है।

रोहतांग भी है मनाली के पास : मनाली के आस-पास के इलाकों में सैलानियों के लिए बहुत कुछ बिखरा पड़ा

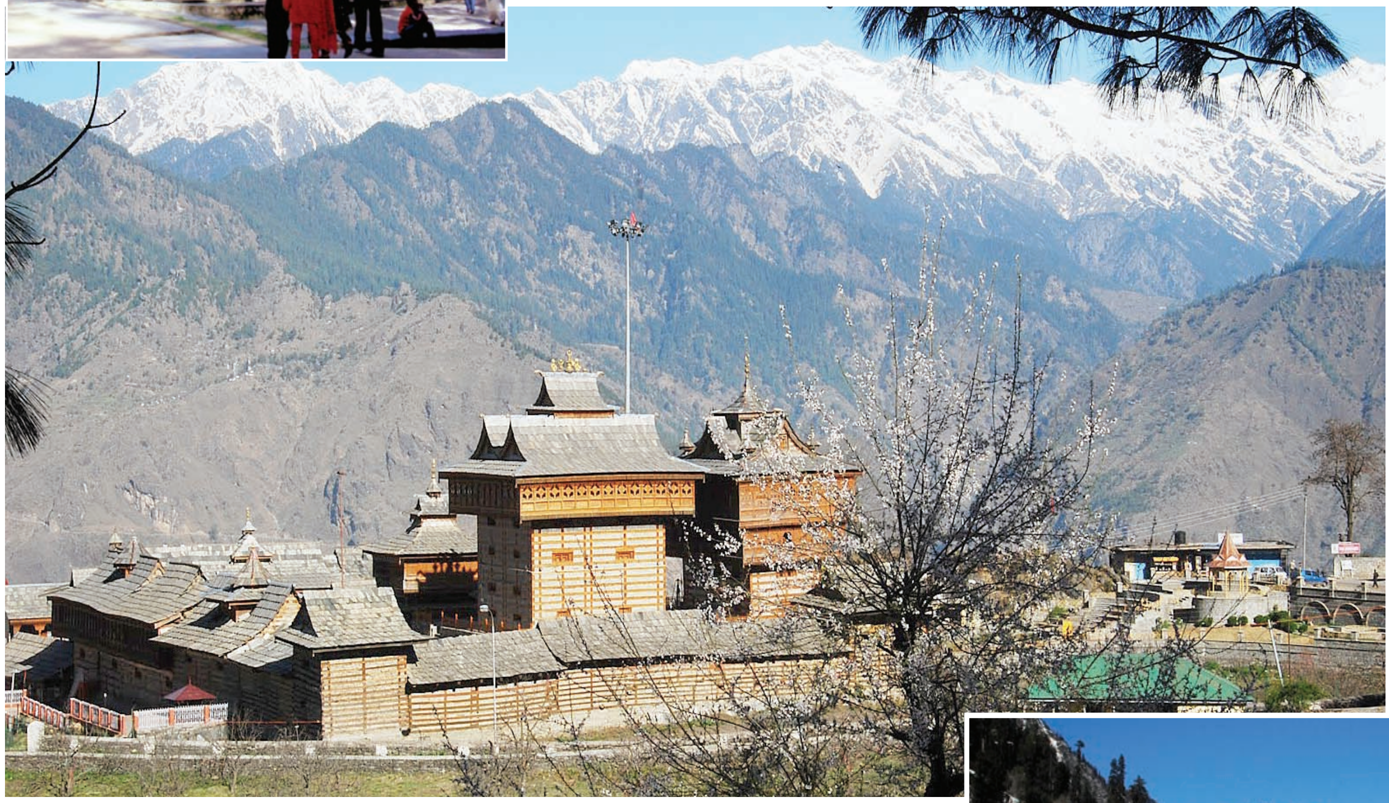

है। प्रकृति ने यहां आने वालों के लिए अपना खजाना दोनों हाथों से खोल दिया है। पहाड़ियों पर बने छोटे-छोटे घर और इनके आस-पास फैली हरियाली मन को लुभाती है। यहां से 51 किमी की दूरी पर मशहूर पर्यटक स्थल रोहतांग पास स्थित है। यहां हर साल हजारों की संख्या में सैलानी घूमने के लिए आते हैं।

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिए लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

कैसे पहुंचे : मनाली जाने के लिए सड़क मार्ग से अपनी गाड़ी से या फिर बस सेवा ली जा सकती है। हवाई यात्रा करनी है तो लगभग 50 किमी से टैक्सी लेनी होगी।

यात्रा पैकेज :

यदि आने-जाने और ठहरने का कोई झंझट नहीं पालना चाहते तो कई तरह के पैकेज भी उपलब्ध हैं। तीन दिन और रात ठहरने के लिए अलग-अलग होटल में प्रति जोड़ा 11,500 रुपए से 15 हजार रुपए में ठहरना, हर दिन नाश्ता, लंच और डिनर आदि हो जाता है। 23 हजार रुपए में ठहरने, खाने के साथ लोकल साइट सीइंग, डिस्कोथेक, कॉकटेल और स्टीम या सोना बाथ की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। हिमाचल प्रदेश पर्यटन द्वारा खुद भी कई तरह की स्कीम दी जा रही हैं जो आप ले सकते हैं।

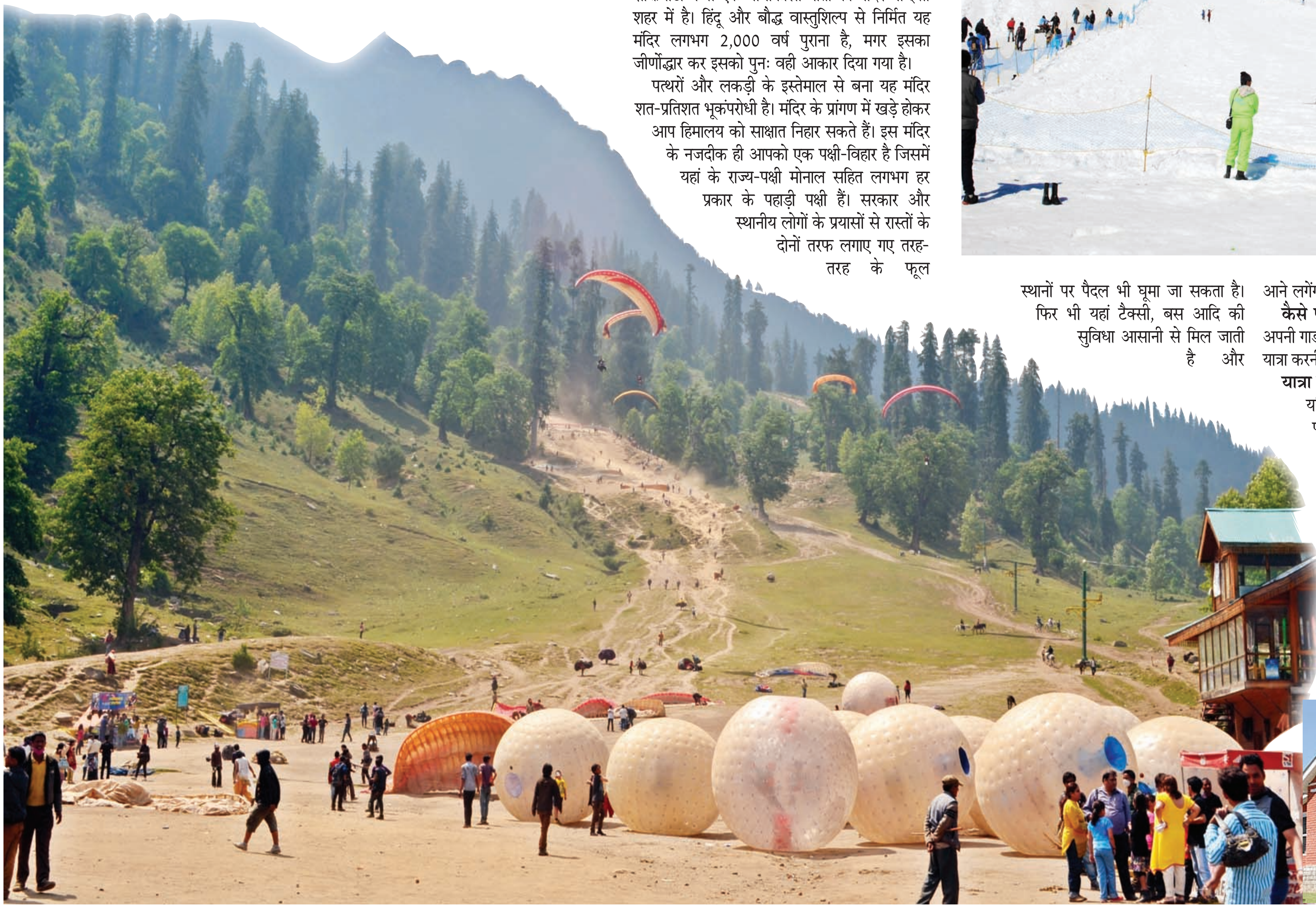

मजदूरों को ले जा रहा विमान हुआ हादसे का शिकार,6 की मौत

कनाडा।मजदूरों को ले जा रहा एक छोटा विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद कनाडा के सुदूर उत्तर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8 बजकर 50 मिनट पर हुआ। नॉर्थवेस्टर्न एयर ने बताया कि एक खदान में श्रमिकों को ले जाने वाली यह चार्टर उड़ान थी। इस बीच अधिकारियों द्वारा अपनी जांच शुरू करने के कारण फोर्ट स्मिथ से प्रस्थान करने वाली सभी उड़ानें बुधवार तक के लिए रोक दी गई हैं। कनाडा के परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने दुर्घटना की जांच के लिए एक टीम तैनात की है। विमान में कितने लोग सवार थे इसकी जानकारी हासिल नहीं हो पाई है।रियो टिंटो के मुख्य कार्यकारी जैकब स्टॉशोल्म ने एक बयान में कहा कि दुर्घटना से कंपनी को काफी दुख पहुंचा है।स्टॉशोल्म ने कहा, हम अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और यह पता लगाने में हर संभव मदद करेंगे कि वास्तव में क्या हुआ है। आर.जे. नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज के प्रीमियर सिम्पसन ने दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। सिम्पसन ने कहा, भारी मन से मैं उन लोगों के परिवारों, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज के मुख्य कोरोनर गर्थ एगेनबर्गर ने पुष्टि की कि मौतें हुई हैं, लेकिन कहा कि अधिकारी तब तक कोई और जानकारी नहीं देंगे जब तक कि परिजनों को सूचित नहीं किया जाता।

पाकिस्तान में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 4.3 रही तीव्रता, अभी तक किसी नुकसान की सूचना नहीं

इस्लामाबाद।पाकिस्तान में बुधवार को भूकंप आया और शाम करीब 4:04 बजे पूरे देश में भूकंप के झटके महसूस किए गए। मध्यम तीव्रता के भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई और नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने एक्स पोस्ट में कहा कि भूकंप की तीव्रता: 4.3, 24-01-2024, 16:16:41 IST, अक्षांश: 36.39 और लंबाई: 71.78, गहराई: 10 किमी, स्थान: पाकिस्तान पर आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) देश भर में भूकंप गतिविधियों की निगरानी के लिए भारत सरकार की नोडल एजेंसी है। एनसीएस 155 स्टेशनों के राष्ट्रीय भूकंपीय नेटवर्क का रखरखाव करता है, जिनमें से प्रत्येक में अत्याधुनिक उपकरण हैं और यह पूरे देश में फैला हुआ है। यह अपने 24×7 माध्यम से पूरे देश में भूकंप गतिविधि पर नज़र रखता है।

चीन के जियांग्शी प्रांत में लगी भीषण आग, 25 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के जियांग्शी प्रांत में आग लगने की खबर सामने आई है। स्थानीय सरकार ने बुधवार को कहा कि चीन के दक्षिणपूर्वी जियांग्शी प्रांत में आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। जियांग्शी प्रांत के युशुई जिले के अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को 15:24 बजे एक शॉपिंग क्षेत्र के बेसमेंट में आग लग गई। उन्होंने कहा कि 120 बचाव, अग्निशामक, पुलिस और स्थानीय सरकारी अधिकारियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। स्थानीय सरकार ने कहा कि खोज एवं बचाव अभियान जारी है और आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। जियांग्शी प्रांत के युशुई जिले के अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को 15:24 बजे एक शॉपिंग क्षेत्र के बेसमेंट में आग लग गई। उन्होंने कहा कि 120 बचाव, अग्निशामक, पुलिस और स्थानीय सरकारी अधिकारियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। स्थानीय सरकार ने कहा कि खोज एवं बचाव अभियान जारी है और आग लगने के कारण की जांच की जा रही है।

पढ़ाई का सपना दिखाकर अमेरिका ले गया,फिर मजदूरी करवाई,भूखा भी रखा

वॉशिंगटन। वर्जीनिया में एक संघीय जूरी ने हरमनप्रीत और कुलबीर को जबरन मजदूरी कराने, शोषण करने, मारपीट करने का दोषी ठहराया है। दोनों को आने वाली 8 मई को सजा सुनाई जाएगी।वकील के मुताबिक दोषियों को अधिकतम 20 साल की जेल, 250,000 अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना और जबरन श्रम के आरोप के लिए अनिवार्य क्षतिपूर्ति का सामना करना पड़ता है। अटॉर्नी जनरल क्रिस्टन क्लार्क ने कहा कि सिंह दंपत्ति ने पीड़ित के विश्वास और स्कूल जाने की उसकी इच्छा का शोषण किया, और फिर उसके खिलाफ शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया, यह सब इसलिए किया ताकि वो उसे अपने लिए काम पर रख सकें।दरअसल 30 वर्षीय हरमनप्रीत सिंह और 43 वर्षीय कुलबीर कौर अमेरिका के वर्जीनिया में रहते हैं। वो भारत से अपने चचेरे भाई जो उस समय नाबालिग उसे 2018 में ये कहकर अमेरिका लाए थे कि उसे पढ़ाएंगे और उसका भविष्य बनाएंगे, लेकिन अमेरिका आते ही उससे घर का काम करवाया उसके खाने की लिमिट तय कर दी भूख लगने पर उसे खाना नहीं दिया जाता था। कई दिनों तक उसे एक स्टोर में रखा गया।कैमरे से उस पर निगरानी रखी जाने लगी। यही नहीं हरमनप्रीत और कुलबीर ने पीड़ित के दस्तावेज भी अपने पास रख लिए। उसके वापस जाने की बात करने पर दंपति से उसके साथ मारपीट भी की और उसे धमकी भी दी।उसका वीजा भी छीन लिया। जब पीड़ित ने वीजा मांगा तो उसे बुरी तरह से पीटा गया। काम से उसे एक दिन की भी छुट्टी नहीं मिलती थी। जिससे पीड़ित काफी परेशान हो गया।

यूक्रेन के 65 कैदियों को ले जा रहा रूसी प्लेन क्रैश, 25 की मौत

मास्को। यूक्रेन के 65 कैदियों को लेकर जा रहा रूस का प्लेन अदलाबली से पहले ही क्रैश हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार रूस के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि यूक्रेन के इन युद्धबंदियों को कैदियों की अदला-बदली समझौते के तहत यूक्रेन ले जाया जा रहा था।दुर्घटना के समय प्लेन में युद्धबंदियों के अलावा चालक दल के छह सदस्य और तीन अन्य लोग भी सवार थे। मिली जानकारी के अनुसार रूस का प्लेन इल्यूशिन 2-76 मिलिट्री प्लेन यूक्रेन की सीमा से सटे इलाके बेलगोरोद में क्रैश हुआ है। इस प्लेन से यूक्रेन के 65 युद्धबंदियों को ले जाया जा रहा था।रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दुर्घटना के समय प्लेन में युद्धबंदियों के अलावा चालक दल के छह सदस्य और तीन अन्य लोग भी सवार थे। बताया जा रहा है कि रूस के इल्यूशिन 2-76 मिलिट्री प्लेन को सैनिकों, सामान, सैन्य उपकरण और हथियारों को लाने ले जाने के लिए डिजाइन किया गया। इस विमान की क्षमता 90 यात्रियों तक को ले जाने की है। दुर्घटना के संबंध में रूस के स्थानीय गवर्नर वयाचेस्लाव ग्लाडकोव ने कहा कि कोरोचांस्की जिले में घटना हुई है और वह घटनास्थल पर जाकर इसका निरीक्षण करेंगे।हालांकि जांचकर्ता और आपातकर्मी पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद हैं। यहां गौरतलब है कि यूक्रेन की सीमा से सटे बेलगोरोड क्षेत्र पर हाल के महीनों में यूक्रेन से कई हमले हुए हैं।बीते साल दिसंबर में भी यहां एक मिसाइल हमला हुआ था, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि अन्य जख्मी हो गए थे।

कतर ने कहा- शांति वार्ता के लिए इजराइल और हमास से मिल रहे जवाब

अबू धाबी।इजरायल और हमास युद्ध में मुख्य वार्ताकार कतर ने कहा है कि उसे इजरायल और हमास दोनों से जवाब मिल रहे हैं, क्योंकि वह युद्ध को खत्म करने के लिए एक नया समाधान खोजने के लिए उनके साथ गंभीर चर्चा कर रहा है। इसमें दो-राज्य फॉर्मूला शामिल है। युद्ध में अब तक 100 दिनों में 20,000 से ज्यादा फ़िलिस्तीनी और 2,000 इज़रायली सैनिक मारे गए हैं।कतर ने कहा कि वह इजरायल और हमास के साथ गंभीर चर्चा में लगा हुआ है और दोनों पक्षों से उसे लगातार जवाब मिल रहे हैं।कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, लेकिन इजरायली अधिकारियों द्वारा दिए गए बयान कठिन मध्यस्थता प्रक्रिया की ओर ले जाते हैं। अल-अंसारी ने बताया कि जाहिर है, जब एक पक्ष कहता है कि वे दो राज्यों के समाधान को स्वीकार नहीं करते हैं और वे अंततः इस युद्ध को नहीं रोकेंगे तो यह एक कठिन मध्यस्थता प्रक्रिया की ओर ले जाता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा के भविष्य के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बातचीत के बाद फिलिस्तीनी संप्रभुता के लिए अमेरिका सहित वैश्विक कॉल को खारिज कर दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि इजरायल की सुरक्षा जरूरतें फिलिस्तीनी राज्य के साथ असंगत होंगी। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि संचार व्यवस्था टूटने और गाजा में बिगड़ती मानवीय स्थिति के कारण बातचीत के नतीजे प्रभावित हो रहे हैं। अल-अंसारी ने कहा, लेकिन कतर के दोनों पक्षों के बीच विचारों के आदान-प्रदान के साथ मध्यस्थता जोरों पर है।

फ्रांस में कीमतें बढ़ने के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान किसानों ने ट्रेक्टर अड़ाकर हाइवे को जाम कर दिया।

ईरान-पाकिस्तान की लड़ाई में चीन ने पाक को दिया मदद का भरोसा

बीजिंग।ईरान और पाकिस्तान के बीच हालिया एयर स्ट्राइक के बाद अब चीन भी लड़ाई में कूद गया है। चीन ने पाकिस्तान को खुला समर्थन देते हुए मदद का भरोसा दिलाया है।हालांकि इससे तनाव बढ़ गया हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए, जिसको लेकर दोनों ने ही आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया था। अब चीन ने पाकिस्तान का खुला समर्थन करते हुए कहा है कि वो पाकिस्तान को संप्रभुता और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी बनाए रखने में मदद करेगा। बताया तो यह भी जा रहा है कि ईरान और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी को कम करने के लिए दोनों का दोस्त चीन सामने आया है। चीन ने कहा है कि दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने में जहां तक बनेगा मदद करेंगे। चीन ने पाकिस्तान से कहा है कि वो उसकी संप्रभुता और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी को बनाए रखने में मदद करेगा। साथ ही उसने एक-दूसरे पर एयर स्ट्राइक के बाद से दोनों देशों की सुलह की पहल का भी स्वागत किया है। बताया जा रहा है कि चीन ने तनाव के बाद राजनयिक संबंधों को ठीक करने की दिशा में कदम उठाए हैं। चीन के विदेश मंत्री सुन वेइदॉन्ग ने मध्यस्थता मिशन पर पाकिस्तान का दौरा किया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह मतभेदों को पाटने के लिए पाकिस्तान और ईरान के साथ बातचीत की तैयारी में है। गौरतलब है कि शी जिनपिंग हाल के महीनों में इजराइल-गाजा से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक में शांति की बात कर चुके हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि जिनपिंग पाकिस्तान-ईरान में भी शांति दूत बनना चाहते हैं। चीन ने 18 जनवरी को एक-दूसरे के खिलाफ मिसाइल हमलों के बाद दोनों के बीच तनाव कम करने के लिए रचनात्मक भूमिका निभाने की पेशकश की। दोनों देशों से संयम और शांति बरतने और तनाव बढ़ाने से बचने की भी अपील की।

यूएन चीफ ने इजराइल को चेताया, कहा-शांति के लिए खतरा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल-हमास युद्ध पर अपनी अब तक की सबसे सख्त लहजे में, महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक मंत्रिस्तरीय बैठक में कहा कि फिलिस्तीनी लोगों के अपने पूर्ण स्वतंत्र राज्य के निर्माण के अधिकार को सबको मान्यता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 'इतनी बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों के अंदर स्वतंत्रता, अधिकारों और सम्मान की वास्तविक भावना के बिना एक-राज्य समाधान का विकल्प अकल्पनीय होगा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने मंगलवार को इजराइल को चेतावनी दी कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का टू-स्टेट समाधान को अस्वीकार करने से संघर्ष अनिश्चित काल तक खिंच जाएगा, जिससे वैश्विक शांति को खतरा है और हर जगह चरमपंथियों का हौसला बढ़ रहा है।

गुटेरेस ने लेबनान, यमन, सीरिया, इराक और पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए यह भी चेतावनी दी कि संघर्ष के क्षेत्रीय बढ़ने के जोखिम अब एक वास्तविकता बन रहे हैं। उन्होंने सभी पक्षों से कगार से पीछे हटने और व्यापक युद्ध की भयावह लागतों पर विचार करने का आग्रह किया। युद्ध के बाद के किसी भी परिदृश्य में नेतन्याहू द्वारा फिलिस्तीनी राज्य को अस्वीकार करने से इजराइल के सबसे करीबी सहयोगी, अमेरिका के साथ एक व्यापक दरार पैदा हो गई, जिसका कहना है कि युद्ध के बाद दो-राज्य समाधान के लिए बातचीत होनी चाहिए। जहां इजराइल और फिलिस्तीनी साथ-साथ रह सकें। इसका दुनिया भर के देशों ने समर्थन किया है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने मानवीय संघर्ष विराम के अपने लंबे समय के आह्वान को भी दोहराया, जिसका लगभग सभी देशों ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हमास, जिसने 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल पर क्रूर हमला किया था, फिर से हमला करने और इजराइल को नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है। लड़ाई को रोकने से केवल उग्रवादियों को फिर से संगठित और हथियारबंद होने की ताकत मिलेगी। उन्होंने सुरक्षा परिषद से संघर्ष की जड़ को खत्म करने का आग्रह किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह ईरान है।

मालदीव में चीन के जासूसी जहाज के प्रवेश को मिली मंजूरी

माल (एजेंसी)। मालदीव सरकार ने चीनी जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 के प्रवेश को मंजूरी दे दी है। यह जहाज मालदीव के समुद्री सीमा क्षेत्र में आ सकता है। इस गतिविधि को भारत के खिलाफ देखा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार

मालदीव सरकार ने चीनी अनुसंधान पोत जियांग यांग होंग 03 को समुद्री सीमा क्षेत्र में आने की अनुमति दी है। मालदीव की ओर से कहा गया कि जहाज मालदीव के जल क्षेत्र में कोई अनुसंधान नहीं करेगा। हालांकि जहाज के रोटेशन के लिए चीन सरकार की ओर से मंजूरी मांगी गई थी। वहीं मालदीव सरकार के बयान के मुताबिक मालदीव हमेशा मित्र देशों के जहाजों के लिए एक स्वागतयोग्य जगह रहा है और शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बंदरगाह पर जाने वाले नागरिक और सैन्य दोनों जहाजों की मेजबानी करता रहा है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस तरह का फैसला मालदीव और साझेदार देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाता है और मित्र देशों के जहाजों का स्वागत करने की सदियों पुरानी परंपरा को भी दर्शाता है।

हालांकि मित्र देशों के जहाजों का स्वागत वाले बयान को भारत पर सीधे हमले के तौर पर देखा जा रहा है, जबकि माले के नई दिल्ली से हटकर बीजिंग की ओर बढ़ने के सबूत के रूप में माना जा रहा है। चीन का यह कदम हिंद महासागर क्षेत्र या आईओआर में एक संभावित महत्वपूर्ण भूराजनीतिक और सैन्य बदलाव है। वैसे, इस जहाज को सैन्य उद्देश्यों के लिए हिंद महासागर के तल की मैपिंग करने वाले जासूसी जहाज के रूप में देखा जाता है। बताया जा रहा है कि यह जहाज फरवरी महीने की शुरुआत में मालदीव की राजधानी माले पहुंचेगा। 4,300 टन वजनी जियांग यांग होंग 03 को हिंद महासागर के तल की मैपिंग अनुसंधान जहाज के रूप में जाना जाता है। यह अनुसंधान अभ्यास मूल्यवान डेटा प्रदान कर सकते हैं जो पानी के नीचे भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी करने में मदद कर सकते हैं। मैपिंग चीन को भविष्य में पनडुब्बियों और सबमर्सिबल ड्रोन का उपयोग करने में भी सक्षम बनाती है।

गणतंत्र दिवस से पहले, फ्रांस, यूएई के साथ भारत का एयर ड्रिल

भारतीय वायु सेना ने गणतंत्र दिवस से तीन दिन पहले मंगलवार को फ्रांसीसी वायु और अंतरिक्ष बल (एफएएसएफ) और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) वायु सेना के सहयोग से अभ्यास डेजर्ट नाइट का आयोजन किया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन 25-26 जनवरी तक भारत के 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत में आने वाले हैं। मंत्रालय ने कहा कि फ्रांसीसी की भागीदारी में राफेल लड़ाकू विमान और एक मल्टी-रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट की तैनाती शामिल थी, जबकि यूएई वायु सेना ने एफ-16 का योगदान दिया था। ये विमान यूएई में अल धफरा हवाई अड्डे से संचालित होते थे।

कनाडा दुनिया का सबसे अच्छा देश... अब तक की सबसे कम अप्रूवल रेटिंग के बीच बोले जस्टिन टूडो

लंदन (एजेंसी)। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने अपने देश को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बताया और कहा कि उनकी सरकार हमेशा गंभीर और जिम्मेदार निर्णय ले रही है, भले ही उनकी अनुमोदन रैंकिंग अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गई हो। टूडो ने अपने पोस्ट किए गए एक वीडियो बयान में कहा कि हम जानते हैं कि हम दुनिया में चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहे हैं। हमारे पास एक ऐसी सरकार है जो लगातार अपनी आस्तीन चढ़ाकर गंभीर, जिम्मेदार और स्थिर निर्णय ले रही है। हम कनाडाई लोगों का समर्थन करने और उनके लिए एक मजबूत और समृद्ध भविष्य बनाने के लिए वहां हैं। यह कहते हुए कि कनाडाई लोगों को एक योजना वाली सरकार की आवश्यकता है, टूडो ने कहा कि उनके प्रशासन में ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में काम जारी रखने की क्षमता है। उन्होंने आगे कहा कि कनाडा दुनिया का सबसे अच्छा देश है और यह हम सभी पर निर्भर है कि हम कड़ी मेहनत करें और इसे और भी बेहतर बनाएं। इसी पर हमारा ध्यान केंद्रित है और हम यही करना जारी रखेंगे। कनाडाई शोध और रणनीतिक विपणन फर्म लेगर द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, 63 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे टूडो सरकार से असंतुष्ट हैं, जबकि केवल 30 प्रतिशत ने कहा। सर्वेक्षण में कहा गया है कि एक-चौथाई से अधिक कनाडाई (27 प्रतिशत) का मानना है कि कंजर्वेटिव पार्टी के विपक्षी नेता पियरे पोइलिवरे सर्वश्रेष्ठ प्रधान मंत्री बनेंगे, जो उन्हें जस्टिन टूडो (17 प्रतिशत) और उनकी सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी से काफी आगे रखेंगे। सर्वे के मुताबिक, 51 फीसदी लोग चाहते हैं कि नए नेता के लिए रास्ता बनाने के लिए टूडो अगले चुनाव से पहले इस्तीफा दे दें। कनाडा के 72 प्रतिशत मतदाताओं का मानना है कि वे पिछले नौ वर्षों से जस्टिन टूडो के कार्यकाल में एक नया प्रधान मंत्री देखना चाहते हैं।

भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आए यूएनजीए के अध्यक्ष बोले, परिषद को लोकतंत्रीकरण की तत्काल आवश्यकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने बुधवार को सुरक्षा परिषद की संरचना की आलोचना करते हुए कहा कि इस निकाय में वर्तमान भू-राजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं किया गया है। उन्होंने उन दावों पर भी गौर किया जिसमें कहा गया है कि परिषद को लोकतंत्रीकरण की तत्काल आवश्यकता है। भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आए डेनिस फ्रांसिस से सुरक्षा परिषद में भारत और अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका जैसे अन्य देशों के प्रतिनिधित्व के बारे में पूछा गया था।

उन्होंने कहा कि 1945 के बाद के युग से दुनिया मौलिक रूप से बदल गई है। आज की भू-राजनीतिक वास्तविकताएँ परिषद में प्रतिबिंबित नहीं होती हैं। और ऐसे लोग भी हैं जो दावा करते हैं कि परिषद को लोकतंत्रीकरण की तत्काल आवश्यकता है। मामले का तथ्य यह है कि परिषद, हाल के वर्षों में, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता और समर्थन करने के लिए आवश्यक निर्णय लेने में उत्तरोत्तर असमर्थ रही है। भू-राजनीति, भू-राजनीति की वैश्विक गतिशीलता को परिषद में आयात किया जाता है और इसके परिणामस्वरूप हमेशा एक या दूसरे पक्ष द्वारा वीटो का उपयोग होता है।

जी20 में अफ्रीकी संघ की सदस्यता और इसमें शामिल करने में भारत की भूमिका के बारे में बोलते हुए फ्रांसिस ने कहा कि किसी के मन में कोई संदेह नहीं है कि भारत की अफ्रीका तक पहुंच, विशेष रूप से जी20 में अफ्रीकी संघ की सदस्यता की सुविधा प्रदान करने के संबंध में भारत के नेतृत्व को दर्शाता है। लेकिन इससे भी अधिक, यह तीसरी दुनिया, वैश्विक दक्षिण में विकास में सहायता और सुविधा प्रदान करने की अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

58 प्रतिशत पाकिस्तानी महिलाएं तलाक की ख्वाहिशमंद, बंदिशें पसंद नहीं

करांची (एजेंसी)। एक सर्वे के मुताकिब 58 प्रतिशत पाकिस्तानी महिलाएं तलाक की ख्वाहिशमंद हैं। वह अपने पर लगी बंदिशों से परेशान होकर तलाक लेना चाहती हैं। हालांकि यहां पर महिलाओं को तलाक के लिए आवेदन का अधिकार नहीं है, इसलिए पति की सहमति से शरिया के मुताबिक शादी को समाप्त कर सकती हैं। शायद यही वजह रही कि पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा से तलाक लेकर दूसरी शादी रचा ली। इसे लेकर भारत से पाकिस्तान तक खूब चर्चा हुई। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि सानिया मिर्जा ही नहीं, पाकिस्तान में रहने वाली बहुत सारी महिलाएं अपने पतियों से तलाक लेना चाहती हैं। ये हम नहीं, 2019 में हुए एक सर्वे में इस बात का खुलासा हुआ था। तब 58 प्रतिशत पाकिस्तानियों ने माना था कि बड़ी संख्या में महिलाएं तलाक ले रही हैं और यह संख्या हर साल तेजी से बढ़ रही है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान में तलाक की निगरानी करने के लिए कोई खास एजेंसी नहीं है। यहां शरिया या इस्लामी कानूनों के द्वारा ही तलाक लिया जा सकता है। एक महिला तलाक के लिए आवेदन नहीं कर सकती। लेकिन पति की सहमति से शादी को समाप्त कर सकती है, जिसे खुला कहा जाता है। सानिया मिर्जा ने भी यही किया है।

इस मामले में महिला अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि ऐसे में पुरुषों के पास ज्यादा अधिकार होते हैं। लेकिन जैसे-जैसे महिलाएं सशक्त हो रही हैं, वे खुद फैसले लेना चाहती हैं। रोक टोक उन्हें पसंद नहीं। जब उन्हें रोका जाता है, नए रास्ते तलाशती हैं। यही वजह है कि पहले के मुकाबले अधिक पाकिस्तानी महिलाएं अपनी शादियां खत्म करने विकल्प चुन रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह सर्वे गैलप और गिलानी रिसर्च फाउंडेशन ने 2019 में किया था। तब 58 फीसदी पाकिस्तानियों का मानना था कि पाकिस्तान में तलाक की दर में वृद्धि हुई है। 5 में से 2 लोगों ने कहा कि ज्यादातर मामलों में ससुराल वाले जिम्मेदार होते हैं। सिर्फ 11 प्रतिशत ने कहा कि तलाक के मामले कम हो गए हैं। देश के 4 प्रांतों में 1,287 लोगों पर यह सर्वे किया गया था और इसमें ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं।

इस मामले में लाहौर स्थित मानवाधिकार संरक्षण केंद्र की वकील अतिका हसन रजा ने बताया कि अधिक महिलाएं खुला की मांग कर रही हैं। वे अपने अधिकारों के बारे में जानती हैं और अब अधिक स्वतंत्र हो रही हैं। दो बच?चों की मां शाजिया (बदला हुआ नाम) ने 2 साल पहले खुला कर दिया। क्योंकि वह एक रेस्टोरेंट चलाने लगी। उसने कहा, अब मुझे पति की जरूरत नहीं। बच्चों को मैं अकेले पाल लूंगी।

शादी के बाद उसने काफी अत्याचार सहे थे। इसी तरह इस्लामाबाद की रहने वाली हानिया ने स्नातक तक पढ़ाई की। वह ज्यादा वेतन वाली नौकरी करना चाहती हैं, लेकिन परिजनों ने उनकी शादी चचेरे भाई से तय कर दी। शादी वाले दिन ही हानिया भाग निकलीं। बाद में खुला के लिए अर्जी दी और खुद को इस रिश्ते से अलग कर लिया।

गणतंत्र दिवस से पहले कश्मीर में कड़ी सुरक्षा, संवेदनशील इलाकों पर नजर

श्रीनगर। गणतंत्र दिवस से पहले कश्मीर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है ताकि घाटी में समारोह सुचारू और शांतिपूर्वक सुनिश्चित किए जा सकें। पुलिस और अन्य सुरक्षाकर्मी विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा जांच कर रहे हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 137वीं बटालियन ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह से पहले उधमपुर में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। सीआरपीएफ जवानों ने जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर विभिन्न स्थानों पर जांच चौकियां स्थापित की हैं और सभी वाहनों की गहन जांच कर रहे हैं। गश्ती दल द्वारा पूरे राजमार्ग को मेटल डिटेक्टर से भी स्कैन किया जा रहा है।

वहीं, सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जम्मू कश्मीर के उधमपुर में सैनिकों की अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। सैन्य कमांडर ने उच्चस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रखने, अभियान संबंधी तैयारियों में अहम योगदान देने और सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने के लिए सैनिकों की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में विभिन्न स्थानों पर जांच चौकियां स्थापित की गई हैं, खासकर शहर और अन्य जिलों के प्रवेश बिंदुओं पर। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए वाहनों की औचक जांच कर रहे हैं और लोगों की तलाशी ले रहे हैं। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह जम्मू में होगा जिसकी अध्यक्षता जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा करेंगे वहींघाटी में सबसे बड़ा समारोह यहां बख्शी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसी तरह के समारोह जिला मुख्यालयों पर भी आयोजित किये जायेंगे। अधिकारियों ने कहा कि यहां स्टेडियम सहित घाटी में गणतंत्र दिवस समारोह स्थलों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आयोजन स्थलों के आसपास बहु-स्तरीय सुरक्षा तंत्र स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने और शांति भंग करने की इजाजत नहीं देने को कहा गया है।

खेत में खुदाई के दौरान निकला खजाना, ठेकेदार-मजदूर भागे लेकर

संभल। यूपी के संभल जिले में एक खेत में मिट्टी की खुदाई के दौरान खजाना हाथ लगा है। जिसे लेकर ठेकेदार-मजदूर फरार हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार यहां खुदाई करते समय लाखों का खजाना मिल गया। खुदाई कर रहे मजदूर जमीन से निकले सोने और चांदी के सिक्कों को लेकर भागने लगे। खबर है कि एक किलो से अधिक सिक्के लेकर ठेकेदार भी पहले ही रफूचक्कर हो गया। इसकी सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंची। मामला जुनावई थाना इलाके के गांव हरगोविंदपुर का बताया जा रहा है, जहां सड़क निर्माण के दौरान मिट्टी की खुदाई में सोने-चांदी के सिक्कों से भरा एक घड़ा निकला। जिसके बाद वहां लूट मच गई। बताया तो यह भी जा रहा है कि सड़क निर्माण करा रहा ठेकेदार एक किलो से अधिक सोने के सिक्के लेकर मौके से फरार हो गया। मामले की पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर पुलिस भी पहुंची है। हालांकि इस मामले में अभी पुलिस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बताया का रहा है कि सोने-चांदी के सिक्कों की कीमत लाखों है। साथ ही मुगलकालीन होने की वजह इसका ऐतिहासिक महत्व भी काफी अधिक है। बताया जा रहा है कि जो सिक्के मिले हैं वह बहादुर शाह जफ़र के समय के है। सिक्कों की लूट के बाद ग्राम प्रधान की तरफ से पुलिस को इसकी जानकारी दे दी गई है।

ममता बनर्जी की कार का एक्सीडेंट, कार के ब्रेक मारने पर सिर में लगी चोट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी बुधवार को बर्धमान से कोलकाता लौटते समय एक मामूली कार दुर्घटना में घायल हो गईं। सूत्रों के मुताबिक, बारिश के कारण ममता बनर्जी कार से लौट रही थीं। कोहरे के बीच दृश्यता कम होने के कारण ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे मुख्यमंत्री घायल हो गये। तृणमूल प्रमुख के सिर में मामूली चोटें आईं और उन्हें वापस कोलकाता लाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सड़क मार्ग से बर्दवान से कोलकाता लौटते समय माथे पर चोट लग गई, जब सीएम के काफिले के सामने अचानक दूसरी कार आ गई तो उनकी कार ने तुरंत ब्रेक लगा दिया। खराब मौसम के कारण वह हेलीकॉप्टर से नहीं लौटीं। आज ममता लगातार सुर्खियों में हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) को बड़ा झटका देते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को घोषणा की है कि उनकी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव राज्य में अकेले लड़ने का फैसला किया है।

श्रीराम शोभा यात्रा पर पत्थरबाजी के आरोपी कोर्ट में पेश, बुलडोजर चलाया

मुंबई। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले बीते रविवार की शाम को मुंबई से सटे मीरा भयंदर में विवाद हो गया था। घटना के संबंध में डीसीपी जयंत बजबले ने कहा, कि 21 जनवरी को हुई घटना के बाद 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें आज कोर्ट में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि हमें 5 दिन की कस्टडी मिली है। महानगरपालिका की तरफ से आज बुलडोजर की कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए यहां पर सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए हैं। गौरतलब है कि इस घटना के बाद भारी फोर्स की तैनाती कर दी है। इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है, जिसके चलते रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती की गई है। साथ ही पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को उसी दिन गिरफ्तार भी कर लिया था। वहीं इलाके के हैदर चौक स्थित मौजूद अवैध निर्माणों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया गया है। यहां पर रविवार की रात को जय श्रीराम की झंडे लगी गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई थी और सोमवार की शाम को शोभायात्रा निकलने के दौरान एक समुदाय के लोगों ने जुलूस पर पत्थरबाजी भी की थी। इधर एआईएमआईएम के सांसद ने घटना को लेकर बयान जारी करते हुए कहा कि मीरा रोड की घटना जारांगे पाटिल के शांतिपूर्ण मार्च को अस्थिर करने और मुद्दे को भटकाने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। सरकार नहीं चाहती कि लाखों मराठा मुंबई पहुंचें। इसलिए वे सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए वे मुसलमानों को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी पुरानी रणनीति का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मीरा रोड एक संवेदनशील क्षेत्र है और वहां कोई बंदोबस्त क्यों नहीं किया गया। सी ग्रेड के नेताओं को नफरत भरे बयान देने और माहौल खराब करने की इजाजत क्यों दी जा रही है। हिंसा बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। पुलिस को अपना काम पूरी ईमानदारी से करना चाहिए न कि राजनीतिक दबाव में काम हो

लंबे इंतजार के बाद कश्मीर की वादियां बर्फ की सफेद चादर में लिपटने को तैयार

- 26 जनवरी से 1 फरवरी के बीच बर्फबारी के आसार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर जिस चीज के लिए जाना जाता है, वह रौनक फिर से लौटने वाली है। जी हां, कश्मीर की वादियां जल्द ही बर्फ की सफेद चादर में लिपटने वाली है। मौसम विभाग ने 26 जनवरी से 1 फरवरी के बीच मैदानी इलाकों के साथ-साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी/बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के बयान में कहा गया है कि 28 से 29 जनवरी के बीच कई स्थानों पर निचले, मध्य और ऊंचे इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हो सकती है, जबकि 30 से 31 जनवरी के बीच ज्यादा जगहों पर हल्की से मध्यम बर्फबारी होने की संभावना है। गुलमर्ग में जहां पहले ठंड की शुरुआत में ही बर्फ की चादर बिछ जाती थी, वहां अब तक बर्फबारी का इंतजार है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 5.3, गुलमर्ग में माइनस 4.8 और पहलगाम में माइनस 6.3 रहा। लद्दाख के लेह में न्यूनतम तापमान माइनस 11.5 और कारगिल में माइनस 10.1 रहा। दरअसल, कश्मीर लंबे समय से सूखे के दौर से गुजर रहा है और दिसंबर में 79 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई। जनवरी के पहले पखवाड़े में घाटी के ज्यादातर हिस्सों में कोई बारिश नहीं हुई है। कश्मीर के अधिकतर मैदानी इलाकों में बर्फबारी नहीं हुई है। घाटी के ऊपरी इलाकों में सामान्य से कम बर्फबारी हुई है।

पीएम मोदी के मुरीद हुए नीतीश, कांग्रेस पर निशाना, बिना नाम लिए लालू को भी लपेटा

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जननायक के रूप में विख्यात कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा हुई। इसके बाद से कहीं ना कहीं बिहार की राजनीति में एक बार फिर से श्रेय लेने की होड़ मच गई। इन सबके बीच जो बिल्कुल साफ तौर पर दिखाई दे रहा है वह यह है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। नीतीश बार-बार केंद्र सरकार और नरेंद्र मोदी का शुक्रिया कह रहे हैं। नीतीश कुमार इस ऐलान के बाद इतने खुश थे कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो पोस्ट कर दिया। पहले संदेश में उन्होंने केंद्र सरकार की तारीफ की थी और धन्यवाद ज्ञापित किया था। हालांकि उन्होंने इसमें नरेंद्र मोदी का नाम नहीं लिया था। इसके बाद उन्होंने तुरंत उस ट्वीट को डिलीट किया और नया संदेश लिखा जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए आभार व्यक्त किया।

इतना ही नहीं, मीडिया से बातचीत करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि हम लगातार कर्पूरी ठाकुर के लिए भारत रत्न की मांग करते रहे थे। आखिर केंद्र सरकार ने कल रात में निर्णय लिया। इसलिए मैंने उन्हें धन्यवाद दिया। यह बहुत खुशी की बात है। कर्पूरी ठाकुर ने गरीबों के लिए पिछड़ों के लिए बहुत काम किया है। उन्होंने समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया। उन्होंने शिक्षा से लेकर हर क्षेत्र में काम किया। कर्पूरी ठाकुर के जन्मशताब्दी पर आयोजित कार्यक्रम में भी नीतीश कुमार ने कहा कि मोदी सरकार की ओर से भारत रत्न की घोषणा की गई है। भले ही इसके पीछे का उद्देश्य कुछ भी हो, लेकिन पहले की सरकारों ने यह काम नहीं किया। लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार ने यह काम किया है। इसके अलावा नीतीश ने बिना नाम लिए लालू यादव पर निशाना साधा और कहा की हम भी परिवार को राजनीति में नहीं बढ़ाए। कर्पूरी जी ने भी परिवार को नहीं बढ़ाया। आजकल लोग अपने परिवार को बढ़ाते हैं। कांग्रेस भी सरकार में रही। दूसरे लोग भी रहे, लेकिन भारत रत्न नहीं दिया।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि बार-बार नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए आभार जताकर नीतीश कुमार राजनीति में क्या संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं? दरअसल, बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार को लेकर लगातार चर्चाओं का दौर बना हुआ है। दावा किया जा रहा है कि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन और राजद से नाराज चल रहे हैं। ऐसे में वह एक बार फिर से अपने पुराने गठबंधन एनडीए में लौट सकते हैं। यही कारण है कि बिहार में सियासी उलटफेर की पुख्ता संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। इसके अलावा नीतीश कुमार बीजेपी के करीब आते हुए दिखाई दे रहे हैं। जदयू और बीजेपी के रिश्तों की कड़वाहट में नरमी दिखाई दे रही है। यही कारण है कि बिहार में नीतीश कुमार को लेकर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। हालांकि, भाजपा भी इस मामले को लेकर पूरी तरीके से श्रेय ले रही है और साफ तौर पर कह रही है कि जो काम केंद्र में कोई सरकार नहीं कर पाई, उसे मोदी सरकार ने कर दिखाया है।

राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर चिंता, खड़गे ने शाह को लिखा पत्र

नई दिल्ली। गुवाहाटी के शहरी इलाके से रैली की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ झड़प भी सामने आई। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम में न्याय यात्रा के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अब इस मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले कुछ दिनों में असम में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के सुरक्षा मुद्दों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे एक पत्र में खड़गे ने पिछले कुछ दिनों में कथित तौर पर हुई गंभीर सुरक्षा चूक का हवाला दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने खड़गे के पत्र की एक प्रति ट्विटर पर साझा की है जिसमें कथित तौर पर असम सरकार द्वारा बनाए गए 'डर और धमकी के माहौल' के बारे में पार्टी की चिंताओं को उजागर किया गया है। गृहमंत्री को लिखे पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष ने उनसे इस मामले में हस्तक्षेप करने और राहुल गांधी और उनके साथ यात्रा में शामिल लोगों को सुरक्षा देने का आग्रह किया है। इसमें असम के मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक से आगे किसी भी ऐसी घटना को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का अनुरोध किया गया है। खड़गे का पत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कई हमलों के उदाहरण दिए गए हैं जो पिछले सप्ताह असम में प्रवेश करने के बाद से हुए हैं। उन्होंने ऐसे कई उदाहरण भी गिनाए जहां असम पुलिस को जेड प्लस सुरक्षा प्राप्त राहुल गांधी को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने में आनाकानी करते हुए पाया गया है।

ममता को मनाने में जुटी कांग्रेस, इंडिया गठबंधन की उनके बिना कल्पना नहीं की जा सकती : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और सीएम ममता बनर्जी की नाराजगी को लेकर कांग्रेस पार्टी ने पहली प्रतिक्रिया देकर कहा कि ममता के बिना गठबंधन की कल्पना नहीं की जा सकती है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ममता इंडिया गठबंधन का अहम हिस्सा हैं। रास्ते में कभी-कभी स्पीड ब्रेकर आ जाते हैं। कोई बीच का रास्ता निकाल लिया जाएगा।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, 'ममता और उनकी पार्टी भारत गठबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर उन्होंने कोई बयान दिया है, तब यह एक रणनीति का हिस्सा हो सकता है। इंडिया गठबंधन में कोई मुद्दा नहीं है। हम बीजेपी के खिलाफ इसका डटकर मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ममता को न्याय यात्रा का निमंत्रण भेजा गया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभी को पत्र भेजा था।

वहीं उद्धव गुट के नेता और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा, 'मुझे मीडिया से पता चला है, लेकिन ममता जी ने क्या कहा है, वहां मुझे एक बार देखने दीजिए। ममता जी बंगाल में बाघिन की तरह लड़ रही हैं। बंगाल में उनकी लड़ाई बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री ने गिरिराज सिंह ने कहा, 'घमंडिया गठबंधन में कोई किसी की नहीं सुनता है। यहां हर किसी को प्रधानमंत्री बनना है। पीएम मोदी को हराने के लिए सभी साथ आए हैं। वहीं कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णन ने कहा, 'इस दल-दल में कोई नहीं रहना चाहता है। अभी और नेता ये दल-दल छोड़कर जाने वाले हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता ने अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए ममता ने कहा कि कांग्रेस ने टीएमसी का प्रस्ताव ठुकरा दिया, इसलिए उनकी पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

वीवीआईपीज से अगले 10 दिनों तक अयोध्या ना आने की अपील

-योगी सरकार ने किया समय में बदलाव, रात 11 बजे तक होंगे रामलला के दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। योगी सरकार ने रामलला के दर्शनों के समय में परिवर्तन करते हुए अब रात 11 बजे तक प्रवेश के लिए पट खुले रखने का निर्णय लिया है। वहीं योगी सरकार की ओर से कहा गया कि अति विशिष्ट मेहमान अभी 10 दिनों तक अयोध्या ना आएं। अगर आएं तो प्रशासन या श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट को बता कर ही आएं। वहीं, एडीजी कानून-व्यवस्था ने बताया कि राम भक्तों को सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक दर्शन की अनुमति होगी। गौरतलब है कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु राम नगरी पहुंच रहे हैं। बीते दिन 23 जनवरी को करीब 5 लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किए। इस दौरान भारी भीड़ उमड़ने के चलते कुछ अव्यवस्थाएं भी देखने को मिलीं। हालांकि, जल्द ही पुलिस-प्रशासन ने हालात को काबू में कर लिया। कल के हालात से सबक लेते हुए आज 24 जनवरी को यूपी सरकार ने अयोध्या आने वाले अति विशिष्ट लोगों से अपील भी की है।

सरकार तथा प्रशासन की ओर से कहा गया कि अति विशिष्ट मेहमान अभी 10 दिनों तक अयोध्या ना आएं। अगर आएं तो प्रशासन या श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट को बता कर ही आएं। ताकि उन्हें बेहतर सुविधा मुहैया हो पाएं। अभी क्राउड बहुत ज्यादा है। ऐसे में अति विशिष्ट मेहमानों को 10 दिनों के लिए अयोध्या यात्रा का कार्यक्रम पुनर्निर्धारित करना चा?हिए। यूपी सरकार के मुताबिक, राम नगरी में असाधारण भीड़ को देखते हुए, वीआईपीज और प्रतिष्ठित व्यक्तियों से आग्रह किया कि वे आगामी 7 से 10 दिनों में अयोध्या धाम की अपनी यात्रा का कार्यक्रम तय करने से पहले स्थानीय प्रशासन, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट या उत्तर प्रदेश सरकार को अवश्य सूचित करेंगे।

असम राइफल्स के जवान ने अपने ही साथियों पर कर दी फायरिंग

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में असम राइफल्स के एक सैनिक ने बुधवार को अपने साथियों पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में गोली लगने से 6 सैनिक घायल हो गए। इस घटना के बाद आरोपी सैनिक ने खुद को गोली मार ली। मणिपुर पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को चुराचांदपुर के एक अस्पताल में ले जाया गया है।यह घटना दक्षिण मणिपुर में एआर बटालियन परिसर में हुई। मृतक सैनिक कुकी समुदाय से था। इस पूरी वारदात का मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्ष या हिंसा से संबंध नहीं है। असम राइफल्स के आईजी के हवाले से पुलिस ने बताया कि घायलों में से कोई भी मणिपुर का रहने वाला नहीं है। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, फायरिंग करने वाला जवान चुराचांदपुर का रहने वाला था। वह हाल ही में छुट्टी बिताने के बाद लौटा था। उसकी तैनाती दक्षिण मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमा के करीब थी। उसने बुधवार सुबह साथी जवानों पर फायरिंग की। सभी घायलों को आगे के इलाज के लिए मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।पुलिस ने कहा कि मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्ष के मद्देनजर किसी भी संभावित अफवाहों को दूर करने और किसी भी अटकल से बचने के लिए घटना का विवरण साझा करना महत्वपूर्ण है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को चल रहे संघर्ष से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। घायलों में से कोई भी मणिपुर से नहीं है।असम राइफल्स की सभी बटालियनों में सभी वर्गों के लोग होते हैं। जिसमें मणिपुर के विभिन्न समुदायों के लोग भी शामिल हैं। मणिपुर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए समाज के ध्रुवीकरण के बावजूद सभी कर्मी एक साथ रह रहे हैं और काम कर रहे हैं। गोलीबारी के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

शीत लहर ने किया परेशान लखनऊ से लेकर नोएडा तक ठंड का प्रकोप

-मेरठ में इस सीजन का सबसे ठंडा दिन दर्ज, तापमान 1.5 डिग्री तक पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में इन दिनों जबरदस्त ठंड का सितम जारी है। यूपी के लखनऊ से लेकर मेरठ तक हाड़ कंपाने वाली सर्दी सितम ढा रही है। यहां पिछले 24 घंटों में इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। यहां का न्यूनतम तापमान गिरकर 1.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मंगलवार 23 जनवरी देर रात पश्चिमी यूपी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की फुहार भी देखने को मिली। लखनऊ से लेकर नोएडा और गाजियाबाद तक सर्दी से बुरा हाल है। मंगलवार 23 जनवरी देर रात पश्चिमी यूपी के कुछ इलाकों में

हल्की बारिश की फुहार भी देखने को मिली। मौसम विभाग ने आज कई जिलों में गंभीर शीत दिवस और पाला पड़ने का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने पश्चिमी यूपी के कुछ स्थानों के साथ पूर्वी यूपी के ज्यादातर इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की आशंका जताई है। इस दौरान आईएमडी ने प्रदेश के कई जिलों और स्थानों पर शीत दिवस होने का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

प्रदेश के जिन जिलों में सर्वाधिक ठंड और कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया गया है उनमें नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा, हाथरस, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, एटा, कन्नौज, औरैया, हरदोई, फर्रुखाबाद, सीतापुर, कांशीराम नगर और अलीगढ़ में घने कोहरे, शीतलहर और कोल्ड डे का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा पूर्वी यूपी के प्रतापगढ़, प्रयागराज, कौशांबी, वाराणसी, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर, देवरिया, बलिया, मऊ, आजमगढ़, गोरखपुर, अंबेडकर नगर, सिद्धार्थ नगर, महाराजगंज, कुशीनगर शामिल है। इसके साथ ही जिन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किय उनमें यूपी के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, रामपुर, मुरादाबाद, बदायूँ, पीलीभीत, बरेली, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, बहराइच, लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, फतेहपुर, बांदा, हमीरपुर, कानपुर, जालौन, झांसी, बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती, अयोध्या, सुल्तानपुर, बस्ती और अमेठी शामिल है।

बीपी, खांसी, डायबिटीज, बुखार सहित 70 दवाओं के सैंपल फेल

-सीडीएससीओ ने देशभर में बनीं इन दवाओं की जारी की पूरी लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने देश में बनीं 70 ऐसी दवाओं की जिस्ट जारी की है जो अमानक स्तर की पाई गई हैं। दवाओं की जांच में हिमाचल प्रदेश में 25 दवा उद्योगों में निर्मित 40 दवा और इंजेक्शन सब-स्टैंडर्ड पाए गए हैं। जो दवाएं गुणवत्ता के पैमाने पर खरा नहीं उतर पाई हैं। उनमें अस्थमा, बुखार, डायबिटीज, हाई बीपी, एलर्जी, मिर्गी, खांसी, एंटीबायोटिक, ब्रोंकाइटिस और गैस्ट्रिक के उपचार में उपयोग की जाने वाली दवाएं और इंजेक्शन शामिल हैं। इसके अलावा, कैल्शियम सप्लीमेंट सहित मल्टी विटामिन भी जांच में फेल हो गए है। जानकारी के अनुसार दरअसल, सीडीएससीओ ने दिसंबर महीने में ड्रग अलर्ट जारी किया था। इसमें यह खुलासा हुआ है, सब-स्टैंडर्ड पाई गई दवाओं का निर्माण बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़, सोलन, कालाअंब, पावंटा साहिब, संसारपुर टैरेस स्थित दवा उद्योगों में हुआ है। इसके अतिरिक्त उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मुंबई,तेलंगाना, दिल्ली स्थित दवा उद्योगों में निर्मित 38 तरह की दवाओं के सैंपल भी जांच में फेल हो गए है।

बड़ी बता यह है कि बद्दी स्थित एलायंस बायोटेक द्वारा निर्मित रक्त के थक्के के उपचार के हेपरिन सोडियम इंजेक्शन के विभिन्न बैचों के आठ सैंपल फेल हुए है। झाड़माजरी स्थित कान्हा बायोजेनेटिक में निर्मित विटामिन डी 3 टैबलेट के पांच सैंपल फेल हैं। इसके साथ ही ड्रग अलर्ट में शामिल 25 दवा कंपनियां जांच के दायरे में हैं, जिनमें से कई कंपनियों में निर्मित दवाओं के सैंपल बार-बार फेल हो रहे हैं। यहां गौरतलब है कि प्रदेश में दवाओं के लगातार सैंपल फेल होने का क्रम जारी है। सीडीएससीओ द्वारा जारी दवाओं की लिस्ट में से 50 प्रतिशत से अधिक का निर्माण हिमाचल की दवा कंपनियों में हुआ है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने दिसंबर माह में देश के अलग अलग राज्यों से 1008 दवाओं के सैंपल एकत्रित किए थे, जिनमें से जांच के दौरान 78 दवाएं सब-स्टेंडर्ड पाई गई है, जबकि 930 दवाएं गुणवता के पैमाने पर खरी उतरी है।

बता दें कि दिसंबर के ड्रग अलर्ट में इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं मोंटेलुकास्ट सोडियम और लेवोसेटिरिजनि डाइहाइड्रोक्लोराइड टैबलेट, टेल्मिसर्टन टैबलेट, प्रीगाबलिन टैबलेट, साइप्रोहेप्टाडाइन

एचसीएल और ट्राइकोलिन साइट्रेट सिरप, सोडियम वैलपोरेट टैबलेट, ए पीसिलीन कैप्सूल, एमोक्सिसिलिन ट्राइहाइड्रेट कैप्सूल, एस्कॉर्बिक एसिड प्लस जिंक कैप्सूल, ट्रिप्सिन, ब्रोमेलैन और रूटोसाइड ट्राइहाइड्रेट टैबलेट, ए ब्रोक्सोल। हाइड्रोक्लोराइड, टरबुटालाइन सल्फेट, गुइफेनसिन और मेन्थॉल सिरप शामिल है। ड्रग अलर्ट में शामिल सभी संबंधित दवा कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए संबंधित बैच का पूरा स्टाक वापस मंगवाने के निर्देश दिए है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

बेटे की शादी के लिए सस्ता सोना खरीदने के लालच में महिला ने २०.१५ लाख गंवा दिए

मां बिमार है कहकर ठगबाजों ने महिला सोने के सिक्के बेचने के बहाने डुप्लीकेट सिक्के थमाए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के नवापुरा गोलवाड में रहने वाली और काम करने वाली ५१ वर्षीय महिला ने सस्ता सोना खरीदने के चक्कर में २०.१५ लाख रूपये गंवा दिए। महिला को सस्ते दाम में सोने के सिक्के देने का लालच देकर पैसे हड़प लिए और डुप्लीकेट सोने के सिक्के देकर भाग गए। महिला समेत तीन लोगों के गिरोह के खिलाफ महिला की शिकायत पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई की है।

महिधरपुरा पुलिस के मुताबिक, नवापुरा गोलवाड कमलाकुई स्ट्रीट निवासी गौरीबेन बलवंतभाई राणा (५१) जरीकम कर अपना गुजारा करते हैं। गौरीबेन का बड़ा बेटा वकील है और छोटा बेटा जिम चलाता है। जबकी उसका पति उससे अलग रहता है। पिछले ४ नवंबर को गौ़रीबेन घर पर थीं। उसी समय दो अजनबी उसके घर आए और उनके पास सोने के सिक्के है, हमें पैसों की जरूरत है। अगर आप सोना खरीदना चाहते हैं तो हमें बताएं और एक ग्राम सोने का सिक्का दिया। गौरीबेन सिक्का असली है या नहीं इसकी जांच के लिए अंबाजी रोड स्थित सोने की दुकान पर ले जाने पर सिक्का असली निकला। जब गौरीबेन घर लौट रही थीं, तो उन्हें सड़क पर अजनबी मिले और उन्होंने उनसे कहा कि अगर वह सोना खरीदना चाहते हैं तो उन्हें फोन करें। हालांकि, शाम को गौरीबेन को सामने से अजनबी लोगों ने फोन किया कि मां बीमार हैं। उनके पास ३०० सिक्के हैं जिन्हें बेचकर उन्होंने अपनी मां के इलाज और नया घर बनाने की बात कही। वहीं गौरीबेन के छोटे बेटे की शादी जनवरी २०२४ में होनी थी। जिसके लिए वह सोना खरीदने को तैयार हो गई, वह ३१० ग्राम सोना खरीदना चाहती है। उन्होने कहा कि जब रूपये उपलब्ध हो जाएंगे तो फोन करेंगे। इसके बाद गौरीबेन ने अपने पुराने गहने गिरवी रखकर १३.५० लाख रूपये, लड़के से २.५० लाख रूपये और अपने दोस्त से ४ लाख रूपये लेकर कुल २०.१५ लाख रूपये जुटाए। पैसों का इंतजाम करने के बाद उन्होंने ठगों को फोन किया और गौरीबेन को पैसे लेकर उतरन रेलवे स्टेशन पर बुलाया। वहां उन्होंने गौरीबेन से २०.१५ लाख रूपये ले लिए और एक बैग में सोने के सिक्के दे दिए। दिवाली का समय होने के कारण गौरीबेन ने सोने के सिक्के ले लिए और उन्हें घर पर रख लिया। और १६ नवंबर को सोने के सिक्के लेकर अंबाजी रोड स्थित कूपा ज्वैलर्स के पास आभूषण बनाने के लिए गए। उस वक्तसोनी ने सिक्कों को नकली बताया तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई और फोन करने पर ठगों के फोन बंद आते रहे। गौरीबेन को यह एहसास होने पर कि उन्हें सस्ता सोना लेने के नाम पर धोखा खाया गया है, कल शिकायत दर्ज कराई थी।

अनाविल समाज द्वारा सूरत हवाई अड्डे का नाम "श्री मोरारजीभाई देसाई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा" रखने की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सभी अनाविल समाज नेता, पूर्व सांसद, विधायक, अनाविल समाज के विभिन्न संगठनों के अध्यक्ष , उपाध्यक्ष, न्यासी, शिक्षक-डॉक्टर-वकील और सभी राजनीतिक और सामाजिक नेताओं को दर्शन नायक द्वारा सूरत एयरपोर्ट का नाम "श्री मोरारजीभाई देसाई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा" रखने के लिए समाज से एकजुट होने की अपिल की है। दर्शन नायक ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, अनाविल का स्वर्णिम इतिहास, रत्नमय वर्तमान और अमर भविष्य है। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हम भरत के वंशज हैं। मर्यादा पुरूषोत्तम राम के हाथों का स्पर्श पाकर हमारी जाति अस्तित्व में आयी। हमारी जाति का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। शायद दुनिया की कोई भी जाति इतनी भाग्यशाली नहीं है जिसे श्री राम ने मान्यता दी हो। लोककथाओं के अनुसार, भगवान श्री राम महुवा तहसिल के अनावल में यज्ञ कर रहे थे और उस समय जो जनोई धारण करता था उसे अनावला कहा जाता था। हम वो अनाविल हैं। अत: यह कहा जा सकता है कि हमारी जाति इस पृथ्वी पर लगभग ७००० वर्षों से अस्तित्व में है। तब से लेकर आज तक हमारे समाज ने इस दुनिया को कई बेहतरीन अनुभव दिये हैं। अनावला की मनोदशा दुनिया के लिए अपरिचित नहीं है। हमारे लिए इतना ही काफी है कि हम अनाविल हैं।'

अनाविल क्या है इसका कोई सवाल ही नहीं है। प्रश्न उठता है तो अनाविल क्या नहीं है? एनाविल किस क्षेत्र में नहीं है? एनाविल ने क्या नहीं दिखाया? अनाविल हर जगह है। अनाविलो ने इस देश के लिए सब कुछ किया है। स्वर्गीय प्रमोदलाल कनैयालाल देसाई, हितेंद्र देसाई, महादेवभाई देसाई जो महात्मा गांधी के निजी गुप्त सचिव थे से लेकर डांग के छोटूभाई नायक, घेलूभाई नायक, भूलाभाई देसाई, दक्षिण गुजरात के मोनजी रूद्र तक ऐसे कई नाम हैं जिन्होंने हमारी जाति का नाम रोशन किया है। एलएंडटी के अनिलभाई नायक और उनके जैसे कई अन्य लोग अब अपने क्षेत्र में सर्वोच्च शिखर पर पहुंच चुके हैं। ये सब सच है लेकिन इनमें एक गौरवशाली नाम है श्रद्धेय मोरारजी देसाई का। इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री ही नहीं बल्कि एक महान इंसान। वह एक विशाल व्यक्तित्व वाले व्यक्तिरहे हैं। अगर हम उनकी और अन्य अनाविल्स की उपलब्धियां गिनाने बैठें तो ये कोई किताब लिखनी पड़ेगी।

मुख्य बात यह है कि वर्तमान में सूरत को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा प्राप्त है। यह हमारे सभी गुजरातियों के लिए खुशी की बात है। अब सवाल इस एयरपोर्ट के नामकरण का है? क्या इस हवाई अड्डे का नाम मोरारजी देसाई इंटरनेशनल रखा जा सकता है? एक अनाविल के रूप में मुझे १००न्न लगता है कि इस हवाई अड्डे का नाम एक महान अनाविल मोरारजी भाई देसाई के नाम पर रखा जाना चाहिए। मोरारजी भाई देसाई महान थे, उन्होंने इस देश के लिए बहुत कुछ किया है, इसलिए उनके नाम पर एक हवाई अड्डे का नाम रखा जाना चाहिए। यही उन्हें मिली श्रद्धांजलि का असली मतलब है। हमें राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर अपने अधिकारों के लिए लड़ना होगा। हम थोड़े कड़वे साबित होंगे लेकिन हम समाज के लिए और अगली पीढ़ी के लिए कुछ करेंगे।' आशा है आपका सहयोग मिलेगा।

वीर नर्मद विश्वविद्यालय ने श्री राम जन्मभूमि इतिहास में ३०घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

राम के जीवन से प्राणप्रतिष्ठा तक, जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच में भी पढ़ाया जाएगा

मात्र ११०० रूपए में सर्टिफिकेट कोर्स

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की संख्या पिछले एक साल में काफी बढ़ रही है।

विश्वविद्यालय में एक और सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया है। श्रीराम जन्मभूमि के इतिहास पर एक सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जा रहा है। जिसमें विद्यार्थी श्रीराम के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

राम जन्मभूमि को लेकर देशभर में खूब चर्चा हो रही है। अयोध्या में भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद लोग भगवान राम के बारे में विस्तृत जानकारी जानने के लिए उत्सुक हैं। वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय ने श्री राम जन्मभूमि पर इतिहास पाठ्यक्रम शुरू किया है। जिसमें भगवान राम के जन्म और उससे पहले के इतिहास के साथ-साथ भगवान राम की जीवन यात्रा के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इतना ही नहीं बल्कि इस अध्ययन के दौरान छात्र को राम जन्मभूमि आंदोलन से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक की सारी जानकारी भी दी जाएगी।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. किशोर चावड़ा ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक और सर्टिफिकेट कोर्स शुरू हो गया है। जिसे एकेडमिक काउंसिल से मंजूरी मिल गई है। राम जन्मभूमि इतिहास के नाम पर ३० घंटे का यह सर्टिफिकेट कोर्स कोई भी कर सकता है। १२ वर्ष से अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति इस कोर्स को पूरा कर सकता है। जिसकी फीस ११०० रूपए रखी गई है। साथ ही अगर यह सर्टिफिकेट कोर्स अन्य भाषाओं जैसे जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच और रूसी में करना है तो उसे १०,००० रूपये का भुगतान करना होगा। भगवान श्री राम और राम जन्मभूमि के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम को शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. किशोर चावड़ा ने कहा कि भगवान श्रीराम की १० हजार साल पुरानी भारतीय संस्कृति, श्रीराम के जन्म से लेकर मंदिर की स्थापना, मंदिर के विध्वंस और मंदिर के पुनर्निर्माण तक के जीवन के इतिहास की जानकारी दी जाएगी।

चैंबर के प्रतिनिधिमंडल ने यूरो इंडिया फ्रेश फूड्स लिमिटेड का औद्योगिक स्थल का दौरा किया

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल उत्पादन और पैकिंग सहित प्रक्रिया के बारे में जाना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल इच्छापुर जीआईडीसी में यूरो इंडिया फ्रेश फूड्स लिमिटेड का एक औद्योगिक दौरा किया गया। इसमें चैंबर समूह के अध्यक्ष संजीव गांधी और औद्योगिक यात्रा समिति के अध्यक्ष अरविंद बाबावाला और सह-अध्यक्ष अमीबेन नायक और

एसजीसीसीआई शिक्षा और कौशल विकास केंद्र के अध्यक्ष महेश पमनानी सहित ५० से अधिक सदस्य शामिल हैं। चैंबर के प्रतिनिधिमंडल ने यूरो फूड्स की उत्पादन इकाई का दौरा किया और विभिन्न उत्पादों के निर्माण और पैकिंग के बारे में जानकारी प्राप्त की। यूरो इंडिया फ्रेश फूड्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक साहिल सासपरा और प्रतिनिधि शैलेश और कुलदीप ने उत्पादन इकाई के दौरे पर चैंबर ऑफ कॉमर्स प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। औद्योगिक भ्रमण की शुरूआत गुणवत्ता जांच कक्ष से हुई। जहां उत्पाद को बनाने में इस्तेमाल किए गए तेल का प्रोटीन और वसा के लिए परीक्षण किया जाता है। यूरो फूड्स की इकाई ने मूंग दाल, चना दाल, भाकर वड़ी, चिप्स, गाठिया और चीकू के साथ-साथ लीची, अमरूद आदि जूस बनाने की पूरी प्रक्रिया का अवलोकन और अध्ययन किया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों ने आलू की गुणवत्ता जांचने से लेकर उसे साफ करने और फिर चिप्स बनाने के लिए उत्पादन इकाई में पैक करने तक की पूरी प्रक्रिया का अध्ययन किया। खासतौर पर जूस की बोतलें भी यूरो फूड्स यूनिट में बनाई जाती हैं और वहीं पैक की जाती हैं। इस यूनिट में उन्नत तकनीक से विभिन्न उत्पादों का निर्माण किया जाता है, जिसके बारे में उन्हें जानकारी मिली।